आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं। - लोकमान्य तिलक

अयोध्या, लखनऊ एवं बरेली से प्रकाशित

जनमोर्चा

अयोध्या | बृहस्पतिवार | 21 मई, 2026
ज्येष्ठ, शुक्लपक्ष 05 संवत् 2083
वर्ष : 68 | अंक : 162 | पृष्ठ : 08 |
आर.एन.आई.पंजी.सं.4791/58
डा.पं.एल.डब्ल्यू./एन.पी.-247

सहकारिता के आधार पर संचालित | देश का सर्वप्रमुख राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

www.janmorcha.in
www.facebook.com/janmorcha.lucknow

मूल्य ₹ 3/-

कारोबार
सोना 159,648
चांदी 274,547
सेंसेक्स 75,318
निफ्टी 23,659

इनसाइड न्यूज
अम्बेडकरनगर आसपास @Page 05
पीड़ित पति ने पुलिस पर दबाव बनाकर बयान देने ....

खेल-खिलाड़ी @ Page 07
विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा ...

ईरान के खिलाफ तैनात अमेरिकी सैनिकों की होगी वापसी!

अमेरिकी सीनेट ने युद्ध अधिकार प्रस्ताव को आगे बढ़ाया, ट्रम्प बोले युद्ध जल्द समाप्त होगा

» वाशिंगटन, वार्ता।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ जारी संघर्ष को 'बहुत जल्द 'समाप्त होने की उम्मीद कर रहे है और इसके परिणामस्वरूप तेल की कीमतों में भारी गिरावट आ सकती है। दूसरी ओर, अमेरिकी सीनेट ने एक युद्ध अधिकार प्रस्ताव को आगे बढ़ाया है, जिसके तहत ईरान के खिलाफ तैनात अमेरिकी सैनिकों की वापसी सुनिश्चित की जा सकती है।

व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में आयोजित वार्षिक संसदीय समारोह को संबोधित करते हुए श्री ट्रंप ने सांसदों और उनके परिवारों से कहा कि ईरान समझौता करने के लिए बेहद उत्सुक है।उन्होंने कहा, 'हम इस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर देंगे। वे समझौता करना चाहते हैं। यह 47 साल पहले हो जाना चाहिए था और अब यह तेजी से होगा। आप तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखेंगे।श्री ट्रंप ने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उम्मीद जतायी कि विवाद का समाधान' बेहद शांतिपूर्ण तरीके 'से निकल सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और वैश्विक व्यापार के लिहाज से बेहद संवेदनशील जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक बड़ा और शेष पेज 07 पर...

ईरान युद्ध

» ईरान समझौता करने के लिए बेहद उत्सुक

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिकी सेना के 42 विमान नष्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका- इजरायल के संयुक्त रूप से शुरू किये गये 40 दिनों के हवाई बमबारी अभियान के दौरान अमेरिकी सेना के 42 विमान नष्ट हो गये या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा।रिपोर्ट के अनुसार, नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए सैन्य साजो-सामान में चार एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान, एक एफ-35ए लाइटनिंग-2, एक ए-10 थंडरबोल्ट-2, हवा में ईंधन भरने वाले सात केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान, एक ई-3 सेंट्री हवाई चेतावनी और नियंत्रण विमान, दो एमसी-130जे कमांडो-2 विमान, एक एचएच-60डब्ल्यू जॉली ग्रीन-2 हेलीकॉप्टर, शेष पेज 07 पर...

अमेरिका के साथ काम करने को तैयार : पुतिन

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन दौरे पर पहुंचे हैं। बुधवार को हुई चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस अमेरिका के साथ काम करने को तैयार है। इसको लेकर जिनपिंग से चर्चा भी की गई है। पुतिन का यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से अमेरिका ने मॉस्को पर कई सालों से कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। डोनाल्ड ट्रंप लगातार रूस से बातचीत करते रहे हैं ताकि इस युद्ध को रोका जा सके। अब अगर पुतिन ने कहा है कि शेष पेज 07 पर...

मोदी, शाह ने संविधान पर हमला किया

रायबरेली में कांग्रेस नेता का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला

» रायबरेली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन भी केंद्र सरकार पर हमलावर रहे।

राही ब्लॉक के लोधवारी गांव में अमर शहीद वीरा पासी की प्रतिमा अनावरण और बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश की आर्थिक व्यवस्था को कमजोर किया।उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान पर हमला किया है। हमारे देश को बेचने का काम किया है। वे गद्दार हैं। देश की जनता को त्याग और बचत की सलाह दी जा रही है, जबकि सत्ता में बैठे लोग विलासिता का जीवन जी रहे हैं। 'उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों को सोना न खरीदने, विदेश यात्राएं कम करने और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने की सलाह दी जाती है, लेकिन सरकार के शीर्ष नेता स्वयं महंगे विमानों से विदेश यात्राएं करते हैं। देश की जनता अब सब कुछ समझ चुकी है और सरकार की नीतियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। शेष पेज 07 पर...

राजनीति

» पीएम मोदी और अमित शाह को बताया 'गद्दार'

देश संकट में, पीएम विदेश में टॉफी बांटने में व्यस्त

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली दौरे को लेकर उन पर जमकर निशाना साधा और कहा कि देश आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं श्री मोदी विदेश में टॉफी बांटने और रील बनाने में व्यस्त है।श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएँ, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं, प्रधानमंत्री हंसते हुए रील बना रहे हैं तथा भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है'।गौरतलब है कि श्री मोदी अपने पांच देशों के दौरे के अंतिम चरण में रोम पहुंचे हैं, जहां उनकी मुलाकात इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उन्हें भारतीय कंपनी पारले शेष पेज 07 पर...

इटली और भारत द्विपक्षीय सम्बन्धों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जायेंगे : मोदी

» रोम, वार्ता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इटली ने व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि सुश्री मेलोनी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नयी गति और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों ने अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने शेष पेज 07 पर...

अंतरराष्ट्रीय

» इटली की पीएम मेलोनी के साथ द्विपक्षीय पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता

'मेलोडी' पर शुरू हुई राजनीति

नयी दिल्ली, (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को पारले की मेलोडी टॉफी उपहार में देने के बाद अब देश में इस पर राजनीति शुरू हो गयी है। दरअसल सुश्री मेलोनी पिछले कुछ समय से जब भी श्री मोदी के साथ अपनी तस्वीर या वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती हैं तो वह इसके साथ हैशटैग 'मेलोडी' लगाती हैं जो दोनों नेताओं के नामों को मिलाकर बना है। उन्होंने पहली बार 01 दिसंबर 2023 के एक पोस्ट में इस हैशटैग का इस्तेमाल किया था। इस समय चार अन्य देशों के साथ इटली की यात्रा पर शेष पेज 07 पर...

यूपी पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन बने राम औतार सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज न्यायमूर्ति राम औतार सिंह को पंचायत चुनाव में आरक्षण के निर्धारण के मकसद से गठित राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया है। कमीशन में चेयरमैन राम औतार शेष पेज 07 पर...

यूपी बनेगा ग्लोबल एआई हब : योगी

लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में करेंगे विकसित, सीएम ने की डाटा सेंटर क्लस्टर की समीक्षा

» लखनऊ, संवाददाता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े तीन अहम प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की।

योगी ने कहा कि यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर परियोजना उत्तर प्रदेश के एआई मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। उन्होंने निर्देश दिया कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा शेष पेज 07 पर...

अफवाह फैलाने वाले चैनलों की पहचान कर ब्लॉक के निर्देश

नयी दिल्ली, (वार्ता)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट-यूजी परीक्षा को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ बुधवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। श्री प्रधान ने अधिकारियों शेष पेज 07 पर...

टैट्रा पैक और पाउच में शराब की बिक्री 'बेहद भ्रामक'

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने टैट्रा पैक और पाउच जैसे छोटे पैकेटों में शराब की बिक्री को बेहद भ्रामक बताते हुए केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों के आबकारी विभागों को बुधवार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिए। पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पर चिंता व्यक्त की है।याचिका में फलों के जूस जैसे दिखने वाले इन पैकेटों में शराब बेचने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता संगठन 'कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग' की ओर से पेश वकील विपिन नायर ने अपनी याचिका में कहा कि शराब की यह पैकेजिंग सामान्य फलों के जूस से काफी मिलती-जुलती है।

समूचे प्रदेश में अगले तीन दिनों तक रेड अलर्ट जारी

» लखनऊ, संवाददाता।

समूचे उत्तर भारत में जारी प्रचंड गर्मी से इस सप्ताह राहत की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने समूचे उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक रेड अलर्ट जारी किया है लेकिन उसके बाद भी गर्मी और लू रात दिन सतायेगी। मौसम विभाग द्वारा बुधवार को जारी बुलेटिन के अनुसार अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहने की संभावना है।

प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में 24 मई तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा तथा 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चल सकती हैं, जिनके झोंके 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 20 से 24 मई के दौरान दिन के समय प्रदेश के अनेक जिलों में उष्ण लहर (लू) से भीषण उष्ण लहर चलने की आशंका है, जबकि कई स्थानों पर उष्ण रात्रि की स्थिति भी बनी रह सकती है। शेष पेज 07 पर...

मुसीबत

» यूपी में प्रचंड गर्मी राहत के आसार नहीं

» बांदा लगातार चौथे दिन देश का सबसे गर्म जिला

संवैधानिक आरक्षण को कमजोर कर रही भाजपा सरकार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा आरक्षण दान नहीं है, यह एक अधिकार है

» लखनऊ, विशेष संवाददाता।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर भाजपा सरकार को घेरने का अभियान शुरू करते हुए ने बुधवार को पीडीए आरक्षण घोटाला पुस्तिका जारी करते हुए राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि प्रदेश में हुई 22 परीक्षाओं में पीडीए की 11514 आरक्षित सीटों की लूट करके संवैधानिक आरक्षण प्रणाली को कमजोर किया है। उन्होंने कहा है कि वह इसकी अगली किस्तें भी प्रतिसप्ताह जारी करके जनता के सामने ले आयेंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा द्वारा बनायी गई ऑडिट रिपोर्ट में कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में 7933 वन एवं जीव रक्षक भर्ती में 88, बांदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में 5 एडेड जूनियर हाईस्कूल और हेडमास्टर भर्ती में 547, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती में 232, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती में 47, कनिष्ठ सहायक लिपिक आदि स्तर 3 की भर्ती में 300 प्रवर्तन कांस्टेबल में 34 पशु चिकित्सक, लेखपाल, चिकित्सा अधिकारी सहायक चकबंदी अधिकारी, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती समेत विभिन्न भर्तियों में उचित आरक्षण न देकर लोगों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 69 हजार शिक्षक भर्ती के मामले पर भी उन्होंने कहा कि इस भर्ती में शेष पेज 07 पर...

राजनीति

» सपा प्रमुख ने जारी किया पीडीए आरक्षण घोटाला पुस्तिका

महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन नगरी गोरखपुर में
रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) के तत्वावधान में आयोजित
46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप (अंडर-19) (17-21 मई, 2026) का
समापन समारोह एवं
विजेता/उप-विजेता खिलाड़ियों को
पुरस्कार वितरण (मेडल एवं ट्रॉफी)
द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
संजय निषाद
मंत्री, मत्स्य, उत्तर प्रदेश
गिरीश चन्द्र यादव
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश
डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव | साधना सिंह | रवि किशन शुक्ल
फतेह बहादुर सिंह | महेन्द्र पाल सिंह | विपिन सिंह | श्रीराम चौहान
राजेश त्रिपाठी | प्रदीप शुक्ल | डॉ. विमलेश पासवान | इंजी. सरवन कुमार निषाद | रानी पक्षालिका सिंह
डॉ. धर्मेन्द्र सिंह | देवेन्द्र प्रताप सिंह | ध्रुव कुमार त्रिपाठी | सी.पी. चन्द
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

UP 53 गोरखपुर

दिनांक : 21 मई, 2026 | समय : सायं 5:00 बजे | स्थान : रामगढ़ ताल, गोरखपुर

रोइंग का महामुकाबला
20 राज्यों की भागीदारी | 291 खिलाड़ी एवं टीम ऑफिशियल्स | रेपेचेज एवं सेमीफाइनल रेस
खेलेगा देश-खिलेगा उत्तर प्रदेश

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

दो पक्षों में संघर्ष के बाद आगजनी, दर्जन भर घायल

गांव में पुलिस बल तैनात, जेसीबी को कब्जे में लिया

प्रतापगढ़।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के करौंदहा गांव में बुधवार सुबह जमीन कब्जे को लेकर ऐसा बवाल मचा कि पूरा गांव रणभूमि में तब्दील हो गया। जेसीबी मशीन से जमीन पर कब्जा किए जाने के आरोप के बाद दो पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते लाठी-डंडों के साथ जमकर खूनी संघर्ष शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रिहायशी छप्परों में आग लगा दी। आग की लपटों और चीख-पुकार से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब नौ बजे एक पक्ष जेसीबी मशीन लेकर विवादित जमीन पर पहुंचा था। आरोप है कि कब्जे की कोशिश का विरोध होते ही कहासुनी शुरू हो गई और कुछ ही देर में दोनों ओर से हमला बोल दिया गया। लाठी-डंडों से हुई मारपीट में कई लोग लहूलुहान हो गए। उग्र हुए लोगों ने एक-दूसरे के छप्परों में आग लगा दी, जिससे दोनों पक्षों के आशियाने जलकर राख हो गए। घटना में एक पक्ष से मंगल, रंजीत, धीरेंद्र, सत्यम और जब्बार सरोज घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से राजा सरोज, सुनील, संजय, लड्डू, सीताराम, उदयराज, काशू, जितेंद्र, सूरज और नीरज घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असरगढ़ भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद आसपुर देवसरा थाने की फोर्स ने गांव पहुंचकर हालात को काबू में किया। पुलिस ने मौके से जेसीबी मशीन को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दर्शननगर मेडिकल कालेज को एम्स का दर्जा देने की मांग

रामगंज (अयोध्या)। अयोध्या के महत्व को देखते हुए राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंस का दर्जा दिए जाने की मांग क्षेत्रीय नागरिकों ने किया है। यहां से लगभग 140 किलोमीटर गोरखपुर व 120 किलोमीटर रायबरेली में एम्स की सुविधा केंद्र सरकार ने उपलब्ध कराई है परंतु मध्य में अयोध्या को यह सुविधा उपलब्ध न कराना पूर्वांचल के लगभग 10–15 जनपदों की उपेक्षा है। अयोध्या में एम्स खुलने से अयोध्या, देवी पाटन, आजमगढ़, इलाहाबाद मंडल के जिले के नागरिकों को विशेष सुविधा मिल जाएगी तथा कुछ पढ़े लिखे बेरोजगार नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का ध्यान आकर्षित करते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पूर्व उपाध्यक्ष व पूर्वसभासद देवी प्रसाद गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, समाजसेवी अजय गुप्ता, व्यापारी सुभाष चंद जायसवाल, अरविंद फैंसी, दर्शन गुप्ताआदि तमाम लोगों ने दर्शन नगर (अयोध्या) के मेडिकल कॉलेज को एम्स का दर्जा तत्काल देने की मांग किया है।

शिक्षा विभाग का बड़ा खेल बेनकाब

हाईकोर्ट के संज्ञान लेते ही बीएसए का आदेश वापस

सुलतानपुर।

बेसिक शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता द्वारा प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाए गए शिक्षकों के आदेश को हाईकोर्ट के संज्ञान के बाद आनन-फानन में प्रत्यावर्तित करना पड़ा।

इस पूरे मामले ने विभागीय पारदर्शिता और वरिष्ठता नियमों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रणवीर सिंह, पूर्व जिला प्रवक्ता राहुल गहरवारी समेत कई शिक्षकों ने आदेश वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रभारी प्रधानाध्यापक की नियुक्ति पूरी तरह वरिष्ठता सूची के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि बीएसए सार्वजनिक रूप से वरिष्ठता सूची जारी करें और निष्पक्ष तैनाती सुनिश्चित करें। सूत्रों के हवाले से बड़ा आरोप है कि बीएसए के करीबी बताए जा रहे पंकज सिंह को वरिष्ठता सूची दरकिनार कर प्रभारी प्रधानाध्यापक बना दिया गया। जिस विद्यालय में उन्हें चार्ज दिया गया, वहां उनसे वरिष्ठ शिक्षक मौजूद थे और कुछ शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में केवल दो वर्ष ही शेष बताए जा रहे थे। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर किस दबाव और किस नियम के तहत वरिष्ठ शिक्षकों को नजरअंदाज कर यह तैनाती की गई? अब हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद विभाग बैकफुट पर नजर आ रहा है। शिक्षा विभाग की कार्यशैली को लेकर जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म है। शिक्षकों का कहना है कि यदि नियुक्तियों में पारदर्शिता नहीं लाई गई तो आने वाले दिनों में आंदोलन और कानूनी लड़ाई दोनों तेज हो सकती हैं।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में होमगार्ड की मौत, दो युवक घायल

मड़ियाहू, (जौनपुर)।

स्थानीय तहसील क्षेत्र के बासपुर गांव के पास बुधवार सुबह दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक होमगार्ड जवान की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के सेऊर गांव निवासी होमगार्ड अनिल दुबे बुधवार सुबह अपनी मोटरसाइकिल से नेवढ़िया थाने में ड्यूटी पर जा रहे थे। वह डायल 112 पीआरवी वाहन चालक के रूप में कार्यरत थे। जैसे ही वह बासापुर गांव के पास पहुंचे कि तभी नेवढ़िया की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बुलेट से उनकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गयी। हादसा इतना भीषण था कि अनिल की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं दूसरी बाइक पर सवार नेवढ़िया थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव निवासी कुशल पांडेय और अंकित यादव गम्भीर रूप से घायल हो गये।

घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस तथा स्थानीय लोगों की मदद से सभी को रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने अनिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों घायलों की हालत गम्भीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक अपने पीछे दो बेटे सुंदरम दुबे तथा तीन बेटियां छोड़ गये है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही नेवढ़िया थाना प्रभारी निरीक्षक राजाराम द्विवेदी तथा भाऊपुर चौकी प्रभारी सुग्रीव प्रसाद गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

जनता दर्शन में एसपी ने सुनी जन समस्याएं

श्रावस्ती (नि.सं.)। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान आमजन की शिकायतों व समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान जमीनी विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद, महिला सम्बन्धी, रुपये के लेनदेन एवं अन्य प्रकार के प्रकरणों, से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन और आमजन के मध्य संवाद स्थापित कर त्वरित न्याय की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

सार संक्षेप

समर कैम्प में बच्चों में दिखा उत्साह

रेवतीगंज (अयोध्या)। देवास पब्लिक स्कूल समर कार्निवाल के दूसरे दिन भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। प्री प्राइमरी के बच्चों ने (आर्ट क्राफ्ट, जल गेम, इंडोर गेम, ध्यान साधना) का आनन्द लिया। कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के सभी छात्र-छात्राओं की विविध विधाओं द्वारा आंतरिक, व्यक्तिगत व रचनात्मक प्रतिभा को उभारने व निखारने का प्रयास शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। बच्चों को इस कार्निवाल में अलग अलग प्रकार की गतिविधियां कराई गई। बच्चों ने डांस कुकिंग आर्ट योगा इंडोर गेम व अन्य गतिविधियां कर सभी का मन मोह लिया। प्रधानाचार्या नीलम शुक्ला ने बताया कि समर कार्निवाल का मुख्य उद्देश्य बच्चों की फ्री कुकिंग, ध्यान साधना, और संगीत, फ्लेम फ्री कुकिंग (भेलपुरी, तुरमुरा, जूस, शिकंजी, सैंडविच बनाना) आदि सिखाए जा रहे हैं। पर्सनैलिटी ग्रूमिंग, पेंटिंग व क्राफ्ट, (बेस्ट विद द बेस्ट) रचनात्मकता को बढ़ाना है। खेल खेल में हम बच्चों को बहुत कुछ सिखा सकते है। इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों को मानसिक व शारीरिक विकास की ओर अग्रसर करेंगी।

विधानसभा चुनाव में भाजपा को विदाई देगी जनता: विमल

बंदनपुर (अयोध्या) नि.सं.। बहुजन समाज पार्टी ने गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में अपनी आगामी विधान सभा चुनाव की रणनीतियों पर कार्यकर्ताओं की बैठक बुधवार को आयोजित की। बैठक बसपा तारून क्षेत्र के नेता राम नेवल वर्मा के आवास पर हुई। इसकी अध्यक्षता बसपा उपाध्यक्ष मो.मुस्लिम शेख ने की, जबकि संचालन विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र भारती ने किया। बसपा अयोध्या मंडल के मुख्य जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने कहा कि वर्तमान केंद्र एवं प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के प्रभाव में आ चुकी है। उन्होंने कहा कि जनता को अपनी शक्ति दिखलाकर आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को विदाई देनी होगी। श्री विमल ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की किल्लत, भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इनका समाधान केवल बसपा के माध्यम से संभव है। उन्होंने छात्रों, युवाओं, बेरोजगारों और महिलाओं से पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में राम प्रकाश पाल, ललन पासवान, कुलदीप तिवारी, बंशराज, शिव पूजन और श्रीनाथ निषाद ने भी अपने विचार साझा किए।

पूर्व भाजपा विधायक ने ट्रेन यात्रा कर बचाया पेट्रोल

बस्ती,(बस्ती कार्यालय)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पेट्रोल, डीजल का उपयोग कम करने के आह्वान का असर दिखने लगा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने ट्रेन से लखनऊ की यात्रा कर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री जायसवाल ने कहा कि विश्व में चल रहे युद्ध जैसे हालात, बढ़ते वैश्विक संकट और ऊर्जा संसाधनों की चुनौती को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की बचत एवं सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील वास्तव में दूरदर्शी और राष्ट्रहित में लिया गया महत्वपूर्ण संदेश है। संकट के इस समय में सबको मिलकर सहयोग की भूमिका निभानी होगी। इसी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए उन्होंने बस्ती से आवश्यक कार्य हेतु ट्रेन द्वारा लखनऊ की यात्रा किया। यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक छोटा सा प्रयास है। यदि हम सभी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाएं, तो देश ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक मजबूत बन सकता है।

पुलिस मुठभेड़ में इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

सुलतानपुर।

थाना जयसिंहपुर क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी गोतस्कर विनोद यादव पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को इलाज के लिए 100 बेड अस्पताल सीरसिंहपुर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, 19/20 मई की रात करीब 1.15 बजे जयसिंहपुर पुलिस अवेक्षक में सेमरी रोड पर इब्राहिमपुर के पास बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक ट्रक तेज रफ्तार में आया और पुलिस के रोकने के बावजूद बैरियर तोड़ते हुए आगे निकल गया। पुलिस टीम ने ट्रक का पीछा किया। कुछ दूरी पर पहुंचने पर ट्रक में सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद यादव पुत्र राजनारायण यादव निवासी ग्राम ख्वाजापुर, थाना खुटहन, जनपद जौनपुर बताया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ कुल पांच मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें तीन मुकदमे गोकशी से संबंधित हैं। वह गैंगस्टर एक्ट में भी वांछित चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिन पहले थाना जयसिंहपुर क्षेत्र में हुई गोकशी की घटना में भी उसकी संलिप्तता सामने आयी थी। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह ट्रक का इस्तेमाल गोकशी की घटनाओं में करता था। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। फिलहाल आरोपी का इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था सामान्य है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस कस्टडी में घायल अभियुक्त।

प्रेमी को छुड़वाने के लिये मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती

शादी से इंकार करने पर खुद ही भेजवाया था जेल

प्रतापगढ़।

शहर के चारु नर्सिंग होम के पास बुधवार सुबह प्रेमी को छुड़ाने के लिए एक युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई। बता दें शादी से इंकार करने पर युवती ने खुद ही अपने प्रेमी को जेल भेजवाया था। टावर पर चढ़ने से लेकर अफरा-तफरी मच गई।

बता दें उक्त युवती द्वारा अपने प्रेमी अंकित गौतम पुत्र अशोक गौतम निवासी ग्राम भैसाना, थाना मोहनगंज, के विरुद्ध शादी का झांसा देकर संबंध बनाने के आरोप में थाना कुण्डा पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था, जिसमें अभियुक्त को 24 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। बताया गया कि युवती अपने प्रेमी अभियुक्त को छुड़वाने की मांग को लेकर टावर पर चढ़ गई है। इस दौरान कोतवाली नगर पुलिस एवं अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवती को सुरक्षित नीचे उतरवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि देशभर में बंद पड़े मोबाइल टावरों पर चढ़कर आत्महत्या अथवा विरोध प्रदर्शन करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुलिस ने युवती को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आयुष्मान कैम्प का आयोजन

बीकापुर (अयोध्या) बी.का.। विकासखंड क्षेत्र के स्वास्थ्य उप केंद्र रामनगर में बुधवार को आयुष्मान कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन ग्राम प्रधान ने किया। इस दौरान लाभार्थियों की सूची में शामिल 35 ग्रामीणों का रजिस्ट्रेशन करके आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किया गया। आयुष्मान कैंप में सीएचओ रमेश कुमार, आयुष्मान मित्र नवीन पांडे, आंगनबाड़ी कर्मी और आशा कर्मी शामिल रहे। आयुष्मान मित्र नवीन पांडे ने बताया कि क्रमवार ब्लॉक क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में आयुष्मान कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर में नि:शुल्क हुई हृदय रोगियों की जांच व परामर्श

ऐसे शिविरों से आम जनता होती हैं लाभान्वित: रामू

» दोपहर में घर से बाहर न निकले वृद्धजन: डा. अर्जुन

अयोध्या।

नगर में हृदय रोगियों हेतु आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आम नागरिकों के लिए लाभदायक होता है। जिसमें उनको अपनी बीमारी के प्रति सचेत रहने का संदेश मिलता है।

उक्त बातें नाका क्षेत्र में स्थित सीताराम मेडिकल सेन्टर में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन के अवसर पर पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता रामू प्रियदर्शी ने कही। उन्होंने कहा अपोलो अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. अर्जुन टण्डन द्वारा मरीजों को फ्री सेवा देना सराहनीय कार्य है। अन्त में शिविर केसंयोजक पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी डा. नानक सरन ने कहा कि इस तरह की सेवा को नियमित किया जायेगा जो प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को तय किया गया है। उन्होंने बताया कि शिविर में150 लोगों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए अपोलो के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. अर्जुन टण्डन ने कहा कि बढ़ती धूप व गर्मी में 60 वर्ष से ऊपर लोगों को दोपहर 12 से अपराह्न 4 बजे तक बाहर नहीं निकलना नहीं चाहिए और पूरे दिन में कम से कम तीन लीटर पानी पीना चाहिए। उन्होंने कहा हृदय रोगियों को शुगर बीपी इसीजी नियमित कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी समय या रात में सीने में दर्द हो और पसीना आये तो तुरन्त नजदीकी चिकित्सा केन्द की सहायता लेनी चाहिए।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में जांच करते चिकित्सक।

जनगणना में अनियमित ड्यूटी लगाने के विरोध में शिक्षकों ने धरना दिया

बस्ती,(बस्ती कार्यालय)।

जनगणना कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी अनियमित ढंग से लगाए जाने को लेकर शिक्षकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी निर्धारण में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा दूरस्थ क्षेत्रों में मनमाने तरीके से तैनाती कर दी गई।

शिक्षकों ने कहा कि यदि लगाई गई जनगणना ड्यूटी रद्द करके पुनः नए सिरे से उनके सुविधानुसार नहीं लगाई गई तो वह सभी जनगणना का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। इसको लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में शिक्षक सदर तहसील में अधिकारियों और कर्मचारियों से मिले। जब अधिकारियों और कर्मचारियों ने शिक्षकों की बात नहीं मानी तो शिक्षक धरने पर बैठ गए जिसके बाद अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान के हस्तक्षेप के बाद सदर तहसील के अंतर्गत लगे सभी शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से रद्द की गई और नए सिरे से लगाने का निर्देश जारी किया गया तब जाकर शिक्षक शांत हुए। ड्यूटी लगाने में पुनः कोई अनियमितता न होने पाए इसके लिए संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारियों को भी लगाया गया है। जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री ने कहा कि शिक्षकों की उनके तैनाती स्थल से 40 किलोमीटर दूर ड्यूटी लगाई गई है जो कि उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब जनगणना उस क्षेत्र में भी होनी है जहां पर उसकी तैनाती है तो क्यों न संबंधित शिक्षक को जनगणना ड्यूटी उसी क्षेत्र में लगा दी जाए जहां उसकी तैनाती है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि ड्यूटी निर्धारण में विद्यालय की दूरी, शिक्षकों की संख्या तथा महिला शिक्षकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नई सूची शिक्षकों की सुविधा में को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष तरीके से तैयार की जाएगी। धरने में मुख्य रूप से सुधीर तिवारी, अशोक यादव, विजय यादव, राजीव सिंह, अनीश, असद जमाल, आशीष दुबे, संजय यादव, नीरजा चौधरी, साधना यादव, राजेश वर्मा, मुक्तेश्वर, अतिका, शीला, अजय श्रीवास्तव, रुकनुद्दीन, सनद पटेल, डॉ. प्रमोद सिंह, अमित सिंह, उमाकांत शुक्ल, सुरेश गौड़, प्रदीप कुमार मिश्र, सोनू पाल विश्वास, हृदय विकास पांडेय, मोहम्मद असलम, मक्खन लाल, अशोक कुमार पांडेय, सूरज मौर्य, राम प्रवेश चौधरी, अभिषेक पाण्डेय, बलवंत सिंह, सतीश त्रिपाठी, आनंद कुमार, मोहम्मद आलम, मोहम्मद शाहिद, शिवाजी, सतीश दुबे, रवि तिवारी, अंकित सिंह, शालू सिंह सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी से मिलते शिक्षकगण।

शोषित समाज दल का सम्मेलन

बस्ती,(बस्ती कार्यालय)।

शोषित समाज दल का दो दिवसीय 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन बढ़ेयन के निकट स्थित एक रेस्टोरेंट के सभागार में सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन में देश के वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक स्थिति, युद्ध के बीच उभरी स्थितियों पर व्यापक विमर्श किया गया। वक्ताओं ने शोषित समाज दल के उद्देश्य को विस्तार से रखा। अधिवेशन के दूसरे सत्र में रामविलास पासवान की देख रेख में 22वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सर्व सम्मत से पूर्व न्यायाधीश अयाशरण चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राम प्रवेश यादव पूर्व मुखिया, मुकेश प्रसाद उपाध्यक्ष, राजबहाल सिंह महामंत्री, विनोद कुमार, लौटन प्रसाद राष्ट्रीय मंत्री, वृजनन्दन सिंह कोषाध्यक्ष घोषित किये गये। इसके साथ ही अखिलेश्वर प्रसाद, राकेश कुमार, ओम प्रकाश कटियार, केदारनाथ भास्कर सदस्य चुने गये। यह जानकारी देते हुये महामंत्री राजबहाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के अनेक राज्यों के प्रतिनिधियों, सदस्यों ने हिस्सा लिया।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी का पुत्र गिरीश वर्मा उम्र लगभग 45 वर्ष जो शपथी के कहने सुनने में नहीं है। गलत आदतों तथा आए दिन किए जाने वाले विवादों से परेशान होकर शपथी अपने उपरोक्त पुत्र गिरीश वर्मा को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज की तिथि से शपथी तथा उसके पूरे परिवार से उपरोक्त पुत्र गिरीश वर्मा और उसके पूरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा वह अपने क्रिया कलाप लेन देन का खुद जिम्मेदार होगा।

शपथी/पिता:-राम दुलार वर्मा पुत्र स्व. राम आसरे वर्मा निवासी ग्राम केशवपुर ड़ड़वा थाना इब्राहिमपुर परगना व तहसील टांडा जनपद अम्बेडकरनगर

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिंग्नल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	166-Tele/Tender/06/2026-27		
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट स्टेशन पर यात्री सुविधाओं जैसे ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, घोषणा आदि के प्रावधान और सुधार का दूरसंचार कार्य।		
अनुमानित लागत	₹ 1,75,82,504.76/-	निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	₹ 3,51,700.00/-	कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय			09.06.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ म.रे.प्र.कार्यालय परिसर उत्तर रेलवे लखनऊ		

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। •समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। •मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। •निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पैमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं. – 166 टेली/ टेंडर/ 06 /2026-27 दिनांक: 19.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1690/2026

उ.प्र. शासन एवं होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त प्रदेश के निजी क्षेत्र में संचालित संस्थाओं में होम्योपैथिक भैषजिक (फॉर्मासिस्ट) के दो वर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु

डिप्लोमा इन होम्योपैथिक फॉर्मेसी

संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026–27

सरकारी होम्योपैथिक भैषजिक (फॉर्मासिस्ट) की नौकरियां/मेडिकल स्टोर चलाने हेतु लाईसेंस के लिए केवल यही डिप्लोमा मान्य है।

मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केन्द्र–

1– श्रीमती श्यामा देवी इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, सिसवां, अम्बेडकर नगर मो0नं0– 7570972100, 7379392154
2– रमाशंकर प्रभा इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, अहिरौली, अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
3– साई इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible], अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
4– [illegible] होम्योपैथिक फॉर्मेसी कॉलेज, अकबरपुर अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
5– [illegible] इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, कॉलेज, [illegible] अकबरपुर अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
6– [illegible] तिवारी [illegible] कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, [illegible] अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
7– [illegible] महिला महाविद्यालय, [illegible] अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
8– बापू राम दीन सिंह यादव होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible] अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
9– [illegible] इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible], अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
10– [illegible] कॉलेज ऑफ होमियो फॉर्मेसी, [illegible], अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
11– [illegible] कॉलेज ऑफ होम्यो फॉर्मेसी, [illegible] अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
12– [illegible] इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible], अम्बेडकर नगर मो0नं0– [illegible]
13– [illegible] इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी कॉलेज, [illegible], सुल्तानपुर मो0नं0– [illegible]
14– [illegible] इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible], सुल्तानपुर मो0नं0– [illegible]
15– [illegible] होम्योपैथिक फॉर्मेसी, [illegible] मऊ मो0नं0– [illegible]
16– [illegible] होम्योपैथिक फॉर्मेसी कॉलेज, [illegible] मऊ मो0नं0– [illegible]

संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026–27 का ऑनलाइन आवेदन फॉर्म www.jeedhpup.in की वेबसाइट के माध्यम से दिनाँक– 31.05.2026 तक आवेदन कर सकते है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा सम्भावित तिथि– 26 जुलाई 2026।

शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य शर्तें– इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त (जीव विज्ञान या गणित में से कोई एक) परीक्षा उत्तीर्ण हो। अभ्यर्थी की आयु 31 जुलाई 2026 को 17 वर्ष के कम न हो। अभ्यर्थी को उ0प्र0 का मूल निवासी होने का प्रमाण–पत्र देना होगा। प्रवेश परीक्षा आवेदन फॉर्म www.jeedhpup.in की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होगा।

संयोजक : श्रीमती श्यामा देवी इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मेसी, सिसवां रामपुर सकरवारी, अकबरपुर – अम्बेडकर नगर मो0नं0– 7007797843, 7570972100, 7379392154

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से नगर-गाँव के लोग परेशान

हर दस-पन्द्रह मिनट बाद ट्रिप हो रही लाइन, रातभर जाग रहे उपभोक्ता

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में ओवर लोड होने या फाल्ट आने से हर दस-पन्द्रह मिनट में लाइन ट्रिप हो जा रही है। बिजली देने का शेड्यूल चरमरा गया है। दिन तो किसी तरह कट जा रहा है, लेकिन रात कटना खासा मुश्किलों भरा है। नगर में सबसे खराब दशा विद्युत उपकेन्द्र कोसलपुरी की है। पिछली तीन रातों से यहाँ के उपभोक्ता सो नहीं पा रहे हैं। यहाँ बिजली कटौती व लाइन ट्रिपिंग से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भीषण गर्मी के बीच लाइन ट्रिप होने से सभी परेशान हैं।

अयोध्या नगर के नाका, चौक, कोसल पुरी, सिविल लाइन, कुमारगंज, मिल्कीपुर, अमानीगंज समेत कई विद्युत उपकेंद्रों से जुड़े उपभोक्ता दिन और रात दोनों समय बिजली आपूर्ति बाधित रहने से नाराज हैं। कोसलपुरी उपकेन्द्र से जुड़े मोदहा दक्षिणी के उपभोक्ता सुरेश यादव, कोसलपुरी फेज-1 के ओम प्रकाश, मोदहा के पूर्व प्रधान शंकरजीत यहाँ के उपकेन्द्र की व्यवस्था से खासे नाराज हैं। बताते हैं कि तीन दिनों से दिन या रात में बिजली कटना आम है। हर दस-पन्द्रह मिनट में लाइन कट जा रही है। लाइट भी ऐसे समय में कट जाती है, जब गर्मी तेज होती और लोग पसीने से तर-बतर रहते हैं। उपकेन्द्र के सारे फोन व्यस्त हो जाते हैं। गत वर्ष उपकेन्द्र इसी रवैए के चलते घेराव हुआ था। इस बार भी वैसा ही हो रहा है। शिकायत के बाद भी उपभोक्ताओं की नहीं सुनी जा रही है।

उधर ग्रामीणों का कहना है कि पूरी रात कई-कई बार लाइन ट्रिप हो रही है। उमस भरी गर्मी के कारण लोग घरों से बाहर बैठकर बिजली आने का इंतजार करते रहते हैं। इलाके में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार रात में मुश्किल से कुछ घंटे ही आपूर्ति हो पा रही है।

इस बारे में विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारियों का कहना है कि मांग के सापेक्ष उपभोक्ताओं कम बिजली मिलने की वजह लोड का बढ़ जाना है। ट्रांसफार्मरों पर जरूरत से ज्यादा लोड बढ़ने के कारण लाइन बार-बार स्वतः ट्रिप हो रही है। फाल्ट आने पर ठीक करने में समय लगने से गर्मी में हर किसी का परेशान होना जायज है। फिलहाल आपूर्ति सुधारने के प्रयास किये जा रहे हैं।

साले ने जीजा को हॉकी डण्डों से मार कर किया लहूलुहान

» हैदरगंज पुलिस ने साले व ससुर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया

हैदरगंज (अयोध्या)। नि.सं.। पंचायत के दौरान साले ने जीजा को हॉकी डंडों से मार कर लहूलुहान कर दिया। हैदरगंज पुलिस ने जीजा का मेडिकल कराकर साले व ससुर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपियों को पकड़ कर चालान कर दिया, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। थाना क्षेत्र हैदरगंज के ग्राम मिसरौलिया की बाग में वर पक्ष के अमित यादव, रामचंद्र यादव आदि निवासी मंगल का पुरा नकना थाना कूड़ेभार सुल्तानपुर व वधू पक्ष के राज करण व विवेक पुत्र राजकरण निवासी दराबा थाना तारुन में शादी बाद आपसी तालमेल न बनने पर वैवाहिक संबंध विच्छेद की पंचायत चल रही थी। इसी बीच दुल्हन पक्ष के भाई सहित कुछ लोग आक्रोशित होकर लड़के पक्ष के ऊपर हॉकी, डंडों से हमला बोल दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चोटिहलों को ले जाकर मेडिकल कराया और उनकी तहरीर पर धारा 151 (2), 391 (3), बीएनएस दर्ज कर आरोपी साले और ससुर को पकड़ कर चालान कर दिया। घटना के विवेचक दरोगा विकास मौर्य ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

कच्छप गति से चल रहा नैपुरा पंपिंग स्टेशन का निर्माण कार्य

निर्माण कार्य में देरी से बढ़ी किसानों की चिंता, समय पर निर्माण कार्य पूरा न हुआ तो डूब जायेगी हजारों हेक्टेयर फसल

(दिलीप राजपूत)

शुजागंज (अयोध्या) नि.स.। सरयू नदी के रौनाही तटबंध से सटे नैपुरा क्षेत्र में निर्माणाधीन पंपिंग स्टेशन का कार्य इस वर्ष भी बारिश शुरू होने से पहले पूरा होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में क्षेत्र की हजारों हेक्टेयर जमीन पर फिर से जलभराव का खतरा मंडराने लगा है। समय पर निर्माण कार्य पूरा न होने से किसानों में नाराजगी के साथ चिंता भी बढ़ गई है।

अधूरा पड़ा निर्माण कार्य।

क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के दौरान खेतों में पानी भर जाने से धान, सब्जी और अन्य फसलें बर्बाद हो जाती हैं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई किसानों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से खेती करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। जलभराव की इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के प्रयास से मई 2025 में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नैपुरा पंपिंग स्टेशन का शिलान्यास किया था। उस समय दावा किया गया था कि परियोजना पूरी होने के बाद क्षेत्र की हजारों हेक्टेयर भूमि जलभराव से मुक्त हो जाएगी और किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। शिलान्यास के लगभग एक वर्ष बाद भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। बाढ़ खंड के अधिकारियों के अनुसार अभी करीब 20 से 25 दिन का निर्माण कार्य शेष है। इसके बाद मशीनों के परीक्षण और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं में भी लगभग एक माह का समय लगेगा। ऐसे में मानसून की संभावित दस्तक से पहले परियोजना के पूरा होने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है।

किसानों का कहना है कि यदि समय रहते पंपिंग स्टेशन चालू नहीं हुआ तो इस वर्ष भी बरसात के दौरान खेतों में पानी भर जाएगा और फसलें बर्बाद हो जाएंगी। स्थानीय किसान रमेश यादव, जगराम, रामकुमार यादव, कृपाशंकर सिंह, रमजान अली और मलखान सिंह ने आरोप लगाया कि हर बार सिर्फ आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस बनी हुई है। किसानों ने विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए जल्द कार्य पूरा कराने की मांग की है। वहीं बाढ़ खंड के अवर अभियंता संजय कुमार ने बताया कि पंपिंग स्टेशन का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है और विभाग का प्रयास है कि इसे जल्द से जल्द पूरा कर क्षेत्रवासियों को राहत दी जा सके।

मौसम तापमान

अधिकतम: 40 डि.से. (+1.1)
न्यूनतम: 28.5 डि.से. (+4)
आर्द्रता-अधिकतम: 78 प्रतिशत
न्यूनतम: 38 प्रतिशत
हवा-गति: 3.3 किमी. प्रतिघंटा
दिशा: दक्षिणी-पूर्वी

पूर्वानुमान-आगामी 24 घंटे में पूर्वी उ.प्र. में मौसम शुष्क बने रहने, लू चलने, हवा सामान्य गति से पश्चिमी/पूर्वी चलने व औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं।

लक्ष्मण पथ परियोजना से बेघर होने का डर

डीएम से मिले निषाद परिवार के लोग, बोले-पहले बसाइए, फिर हटाइए

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। गुप्तारघाट से राजघाट तक बनने वाले करीब 9 किमी. लंबे लक्ष्मण पथ के निर्माण की जद में जमथरा माझा के करीब 250 निषाद परिवार आ गये हैं। बुधवार को परियोजना से प्रभावित हो रहे निषाद समुदाय की महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंची व डीएम शशांक त्रिपाठी से मुलाकात की। निषाद समुदाय के प्रतिनिधि संतोष निषाद के नेतृत्व में गये पीड़ित परिवारों का कहना था कि वे पिछले 60 से 70 वर्षों से सरयू नदी के किनारे रह रहे हैं।

पीड़ितों ने आरोप लगाया कि उन्हें अब तक वैकल्पिक जमीन या मकान नहीं दिया गया। उनकी मांग है कि पहले पुनर्वास किया जाए, फिर हटाने की कार्रवाई हो। महिलाओं ने डीएम के सामने अपना आशियाना बचाने की पीड़ा और चिंता जाहिर की। इससे पहले भी निषाद परिवार जिला प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुके हैं। विकास परियोजना के बीच अब अयोध्या में विस्थापन और मानवीय संकट का मुद्दा भी चर्चा में आ गया है। डीएम कार्यालय में निषाद समाज के संतोष निषाद, श्याम लाल निषाद, अमरजीत निषाद, कुश निषाद, आकाश निषाद, हेमंत निषाद, रोहित प्रधान आदि मौजूद रहे।

रामनगरी में भीषण गर्मी, पेयजल की किल्लत

अयोध्या प्रतिनिधि

अयोध्या। रामनगरी भीषण गर्मी के आगोश में है तो नगर निगम द्वारा स्थापित पेयजल उपकरण में पानी ही नहीं है। यात्री पेयजल के लिए भटक रहे हैं।

अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने कई व्यवस्थाएं की हैं। सफाई व्यवस्था मुख्य सड़क पर चुस्त रहती है। आवश्यकता से अधिक कर्मी घूमते नजर आते हैं, लेकिन मोहल्ले और गलियां राम भरोसे हैं। नगर में कई स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था है। जगह-जगह नगर निगम ने पानी के उपकरण लगा रखे हैं ,जिसमें शीतल जल भी आता है, परंतु कुछ उपकरणों में पानी न होने से लोग भटकते हैं। इस समय प्रचंड गर्मी पड़ रही है। तेज धूप और पसीने से तर यात्री मठ मंदिरों के दर्शन पूजन के लिए आवागमन कर रहे हैं। शीतल जल के लिए वह भटकते दिखाई पड़े। बिरला मंदिर के सामने लगे उपकरण में बुधवार को दिन में 11 बजे पानी ही नहीं था। यात्री पानी की टोंटियां खोल रहे थे पर उन्हें निराश होना पड़ रहा था। श्रीराम अस्पताल के गेट के पास भी इसी तरह की व्यवस्था है। इसमें लगभग आधा दर्जन टोंटियां हैं, मात्र दो टोंटी में ही पानी धीरे-धीरे निकलता हुआ मिला तो कुछ स्थानों पर शीतल जल का अभाव था। नगर निगम ने जब से पीने के पानी की व्यवस्था चुस्त की थी, उसके बाद से श्रद्धालुओं को राहत थी। यहां तक की 20 की बिकने वाली पानी की ठंडी बोतल की बिक्री भी कम हो चली थी। यात्री बोतल लेकर ठंडा पानी मुफ्त में पेयजल उपकरण से ले रहे थे, लेकिन कुछ स्थानों पर पानी की समुचित व्यवस्था न होने से यात्री महंगी पानी की बोतलों को खरीदने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

जल प्याऊ स्थल।

दो बाइकों की टक्कर में मासूम समेत चार घायल

डेंजर जोन दुल्लापुर मोड़ पर हुआ हादसा, तीन जिला अस्पताल रेफर

भेलसर (अयोध्या)। मवई थाना क्षेत्र में हादसों का डेंजर जोन बन चुके दुल्लापुर मोड़ पर मंगलवार की शाम दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार एक मासूम सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मवई पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी मवई पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर तीन घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मवई एसओ मनोज कुमार ने बताया कि एक बाइक पर सवार पिता-पुत्र रामफल (32) पुत्र मनीराम व रितिक (5) पुत्र रामफल निवासी मोहम्मदपुर, थाना सफदरगंज, बाराबंकी घायल हो गये। वहीं दूसरी बाइक पर सवार अमेठी जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र के कुंवरैलामऊ निवासी बब्बन सिंह (50) पुत्र रामकरन सिंह तथा उपरामऊ निवासी कंतार सिंह (48) पुत्र शमशेर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये। सीएचसी मवई के डॉ. फराज खां ने बताया कि तीन घायलों की हालत चिंताजनक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सरयू नदी में डूबे युवक करन का शव बरामद

अयोध्या (उ.प्र.)। मंगलवार को सरयू नदी में डूबे युवक करन का शव बुधवार को जल पुलिस एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह घटनास्थल से काफी दूर बालू घाट की तरफ डूबे युवक करन की लाश जल पुलिस ने बरामद कर ली है। यह घटना सरयू पुल के निकट हुई थी और लाश बहते-बहते काफी दूर जा पहुंची। करन मनकापुर गोंडा का निवासी था और नहाते समय गहरे पानी में जाने के बाद डूब गया था। जल पुलिस तभी से सक्रिय थी और आज सुबह उसे सफलता मिल गई।

सार संक्षेप

शहीद लेफ्टिनेंट के शहादत दिवस पर कल रक्तदान शिविर

अयोध्या (का.प्र.)। कीर्ति चक्र से सम्मानित अमर शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी के प्रथम शहादत दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि स्वरूप आगामी 22 मई को मानस नगर स्थित कल्याण मंडपम में विशाल रक्तदान शिविर लगेगा। यह शिविर राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के बैनर तले लगेगा। शिविर के संयोजक एवं भाजयुमो प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनुराग त्रिपाठी ने जन मानस से अधिकाधिक सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि हमारे सैनिक सीमाओं पर अपना रक्त बहाकर देशवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। ऐसे वीर शहीदों की स्मृति में रक्तदान कर मानव जीवन बचाना ही उनके प्रति हमारी सच्ची कृतज्ञता और श्रद्धांजलि है। उन्होंने युवाओं से आगे आकर इस मानवीय अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

नगर में बनेंगे 70 आंगनबाड़ी केन्द्र

अयोध्या (उ.प्र.)। स्मार्ट सिटी योजना के तहत नगर क्षेत्र में 70 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण होना है। जिससे महिलाओं व बच्चों को समय पर पोषण मिल सके। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण को लेकर हुई बैठक में नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी को बताया कि 70 में से 61 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि उपलब्ध हो चुकी है। शेष 9 केंद्रों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के लिए विचार-विमर्श किया गया, जिसमें 3 केंद्रों के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया।

जिलाधिकारी ने शेष 6 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए शीघ्र भूमि चिन्हांकन सुनिश्चित करने के लिए उप जिलाधिकारी सदर को निर्देश दिए। बैठक में उप जिलाधिकारी सदर रामप्रकाश त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचन्द सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्थाई नवीन चौकी बनी अरवत

अयोध्या (उ.प्र.)। जिले के थाना महाराजगंज अन्तर्गत अस्थाई नवीन चौकी अरवत बनाये जाने का आदेश एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर द्वारा पारित किया गया है। नवीन चौकी अरवत के अन्तर्गत आने वाले ग्राम समैसा, अवनगरा, मैदिनीपुर, फतेहपुर मुस्तफाबाद, हसिलाही, नन्दराम का पुरवा, दुर्गापुर रमपुरवा, बल्ला का पुरवा, रामपुरवा, बेरलपुर, कुढ़ी, अरवत, नगहरा, कुम्हियाँ, वाजिदपुर, पीरनपुर, ककहरा, मलखानपुर, सिहोरिया, नुआवा, द्वारिकापुर, करौरा रघुनाथपुर, जगदीशपुर, ललई का पुरवा, पीरपुर, सारंगपुर, कौंधा, सेमरिया शामिल हैं।

जिला चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था ध्वस्त

शौचालयों में भरा रहता है सीवर का पानी

अयोध्या।

जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई है। मरीजों का कहना है कि अस्पताल के बाथरूमों की साफ-सफाई ठीक ढंग से नहीं कराई जा रही है, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बदहाल शौचालय व वाशबेसिन।

मरीजों के अनुसार बाथरूम में गंदगी और दुर्गंध इतनी अधिक रहती है कि वहाँ दो मिनट तक खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। लोगों का कहना है कि बदबू के कारण सांस लेने में दिक्कत होती है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मरीजों ने यह भी आरोप लगाया कि जहाँ हाथ धोने की व्यवस्था है, वहीं पर पोछा और सफाई का सामान रख दिया जाता है। इसके अलावा कई लोग वहीं थूक देते हैं, लेकिन उसकी नियमित सफाई नहीं कराई जाती। अस्पताल में मौजूद सीता कुमारी ने बताया कि वहां बाथरूम की हालत बेहद खराब है। सफाई समय से नहीं होती, बदबू इतनी रहती है कि दो मिनट भी खड़ा होना मुश्किल हो जाता है। वहीं सविता ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ वार्ड मरीजों और तीमारदारों से ठीक तरीके से बात नहीं करते। कई बार गाली-गलौज जैसी भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे लोग परेशान हो जाते हैं।

सीवर लाइन दुरुस्त करवाने के लिए मांगा गया है बजट

इस बाबत प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि पूरे अस्पताल की सीवर लाइन पुरानी होने के कारण चोक हो जाती है। जिसके कारण शौचालय में पानी भरा रहता है। सीवर लाइन दुरुस्त करवाने के लिए बजट मांगा गया है मिलते ही समस्या का समाधान करवाया जायेगा। बाकी शिकायतों की जांचकर कार्रवाई की जायेगी।

भाजपा ने बनाये महानगर व जिला के मंडल प्रभारी

अयोध्या (का.प्र.)। भाजपा ने बुधवार को अयोध्या महानगर और अयोध्या जिला मंडल के प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दिया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अवध कमलेश मिश्र ने यह लिस्ट जारी की। जारी लिस्ट में कारिअप्पा नगर से बाल कृष्ण वैश्य, देवकाली से हरभजन गौड़, अयोध्या से शशि प्रताप सिंह, रामनगर से तिलक राम मौर्य, बाबा बाजार से राजीव तिवारी, मवई से निर्मल शर्मा, रुदौली देहात से तेज तिवारी, रुदौली नगर से कृष्ण कुमार पांडेय खुशू, शुजागंज से मनोज वर्मा, अमानी गंज से अभिषेक यादव, हैरिंग्टनगंज से अखंड प्रताप सिंह डिंपल, कुचेरा से अमर बहादुर सिंह, मिल्कीपुर से शैलेंद्र सिंह, कुमारगंज से देवेंद्र सिंह, सोहावल पश्चिम से धर्मेंद्र सिंह, सोहावल पूर्वी से शिव गोविंद पांडेय, भरतकुंड नंदीग्राम से वीर सेन कासा, रानी बाजार से अनुज सिंह, बीकापुर से ऋषिकेश वर्मा, मया से अशोक वर्मा, गोसाईगंज से राममोहन भारती, तारुन से महेंद्र मिश्र, हैदरगंज से सुशील मिश्र और वीरे बाजार से विजय तिवारी मंडल प्रभारी बनाये गये हैं।

कार्रवाई के डर के साये में काम करने को मजबूर कामगार

नगर में उठ रही 'कामगार जोन' बनाये जाने की मांग

अयोध्या।

शहर के चौक क्षेत्र में वर्षों से जूते-चप्पल बनाने व मरम्मत का कार्य कर रहे मोची, लोहार, बढ़ई, कुम्हार सहित छोटे कारीगरों ने अपने लिए स्थायी 'कामगार जोन' बनाए जाने की मांग उठाई है।

कारीगर रमेश मोची और राजू लोहार का कहना है कि वे वर्षों से सड़क किनारे बैठकर अपना रोजगार चला रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस एक छोटी सी स्थायी जगह मिल जाए जहाँ वे बिना किसी डर और परेशानी के अपना काम कर सकें। कारीगरों ने कहा कि बारिश, गर्मी और प्रशासनिक कार्रवाई के डर के बीच काम करना काफी मुश्किल हो जाता है। यदि एक तय स्थान मिल जाए तो उनका रोजगार सुरक्षित रहेगा और पारंपरिक काम भी आगे बढ़ता रहेगा। इस मांग को लेकर समाजसेवी अभिषेक सावंत ने भी आवाज उठाई है। उन्होंने प्रशासन से चौक क्षेत्र में 'कामगार जोन' बनाए जाने की मांग की है, ताकि छोटे कारीगर सम्मानपूर्वक अपना कार्य कर सकें। कारीगरों का कहना है कि सरकार से उनकी सिर्फ यही मांग है कि उन्हें स्थायी रूप से थोड़ा सा स्थान उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण सम्मान के साथ कर सकें।

फुटपाथ पर दुकान लगाये मोची।

श्रीराम अस्पताल गेट के पास बना नाला उफनाया, परेशानी बढ़ी

अयोध्या प्रतिनिधि

अयोध्या। श्री राम अस्पताल के गेट के पास बना नाला उफान पर है। इससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। श्री राम अस्पताल में पर्चा बनाने से लेकर स्वच्छता तक की व्यवस्था पटरी पर नहीं है। एक तरफ जहां पर्चा के लिए ही लोग परेशान रहते हैं तो दूसरी तरफ मुख्य गेट के निकट बना हुआ नाला परेशानी का सबब है।

गेट के पास कई दुकानें लगी हैं। इन्हीं दुकानों के बीच नाले का पानी ऊपर बहता है। इसका प्रदूषण और बदबू चाय तथा दूध विक्रेताओं तक पहुंचता है। यात्री खरीदने आते हैं और इस गंदे पानी के भराव को देखते हुए व्यवस्था को कोसते हैं। दूध विक्रेता का कहना है कि नीचे की पाइप फटी हुई है। जब कभी आपूर्ति होती है तो पानी एवं गंदगी नाले के ऊपर आ जाती है। यह स्थिति काफी समय से है परंतु से ठीक क्यों नहीं कराया गया, एक बड़ा सवाल व्यवस्था पर उठ रहा है।

रुदौली पुलिस ने दो घटनाओं में लाखों के जेवर किये बरामद

शातिर गिरोह के पाँच सदस्य गिरफ्तार, कोर्ट से सभी जेल भेजे गये

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। थाना कोतवाली रुदौली पुलिस ने चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं का खुलासा कर लाखों के जेवर बरामद किये हैं। इस संबन्ध में शातिर गिरोह के पाँच चोरों को गिरफ्तार किया है। सभी को चालान कर कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुदौली संजय मौर्य के नेतृत्व गठित टीम ने शातिर चोरों के गिरोह का पर्दाफाश किया।

पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक नथुनी, एक जोड़ी कान का टप्स, एक गले का ठप्पा, 01 अंगूठी, एक जोड़ी पाजेब, 01 चैन, 02 जोड़ी पायल, एक नाक की कील व 2000 रुपये बरामद हुए हैं।

जाँच के दौरान चोरी की जिन दो घटनाओं का खुलासा हुआ है उनमें प्रथम घटना बीते 02अप्रैल की रात में जसकरन सोनकर पुत्र रामपाल सोनकर निवासी मुजफरा जगदीशपुर कोतवाली रुदौली के घर में हुई थी। चोरों ने घर के अन्दर कमरे मे रखे पेटी के कुन्डे को तोड़कर सोने व चांदी के जेवरात तथा नगदी 17000 पार किये थे। इस संबंध में थाना रुदौली में धारा 331(4), 305 (क) बीएनएस दर्ज है।

दूसरी घटना बीते 18मई को ससुराल से मायके आते समय अफसाना बानो पत्नी रियाज अली निवासी दिगसरी थाना असन्दरा जिला बाराबंकी के बैग मे मेरे रखे हुए सामान जिसमें एक जोड़ी चांदी की पायल, गले की सोने की चेन व हाथ की सोने की अंगूठी की चोरी हुई थी। इस संबंध में रुदौली में धारा 303(2) बीएनएस दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम कृष्णा खरवार, मनीष, बिजली खरवार, रिंकी और रजनी देवी बताये गये हैं। ये सभी बिहार के भोजपुर जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह संगठित तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। इस कार्रवाई में एसआई युवराज सिंह, अभिषेक सिंह, महिला उपनिरीक्षक स्तुति गुप्ता और नैना कुशवाहा आदि शामिल रहे।

बकरीद को लेकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगा प्रशासन

डीएम ने कहा: नहीं शुरु होगी कोई नई परंपरा

(जनमोर्चा प्रतिनिधि)

अयोध्या। जिला प्रशासन मुस्लिमों के त्यौहार बकरीद की तैयारियों को लेकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगा हुआ है। किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कंट्रोल रूम बना कर हेल्प लाइन नंबर 05278-223753 जारी किया गया है।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष भी ईदुज्जुहा (बकरीद) का त्यौहार स्थानीय चन्द्र दर्शन के अनुसार 27 मई को मनाया जाना संभावित है। इस अवसर पर शिया-सुन्नी वर्ग द्वारा जिले के प्रमुख ईदगाहों/मस्जिदों में सामूहिक रूप से नमाज अदा की जाती है तथा जानवरों की कुर्बानी किये जाने की परम्परा है। इस वर्ष बकरीद पर कोई नई परम्परा चालू न होने पाये इसके लिए नगर मजिस्ट्रेट तथा रजिस्टेट मजिस्ट्रेट एवं सभी उप जिला मजिस्ट्रेट तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट (नगर) व अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) को जिम्मेदारी दी गयी है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए अधिकारियों को मौलानाओं व धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक करने को कहा गया है। इसके अलावा नगर आयुक्त, नगर निगम के सभी अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के सीईओ कैन्ट बोर्ड, जिला पंचायत राज अधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई, प्रकाश एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने को निर्देशित किया गया है। इसके अलावा मार्गों के गड्ढों को दुरुस्त करने निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया है कि बकरीद के मौके पर संवेदनशीलता को देखते हुए सुअर बाड़ों से सुअरों को बाहर निकलने न दिया जाये। इसके अनुपालन की जिम्मेदारी नगरीय क्षेत्रों में सम्बन्धित नगर आयुक्त/ अधिशासी अधिकारीगण एवं जिले के सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट को दी गयी है।

सम्पादकीय

कांग्रेस का बसपा की ओर बढ़े हाथ के मायने

एक तरफ रायबरेली में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के दौरे पर है जहां दोनों ही दिन उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बना रखा है। वहीं एक दिन पूर्व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन के बारे में कहा है कि सवाल सीट का नहीं, जीत का है। ऐसे में कांग्रेस का एक धड़ा जो दलित राजनीति विंग से जुड़ा हुआ है वह अचानक बसपा प्रमुख मायावती से भेंट करने के लिए निकल पड़ता है और उनके दरवाजे पर मिलने के लिए पहुंच जाता है भले ही बसपा प्रमुख ने उन्हें गेट से ही बैरंग लौटा दिया जो यह मान बैठा था कि 'मान न मान मैं तेरा मेहमान'। बसपा ऐसी पार्टी नहीं है कि जहां जो भी चाहे तुरन्त पहुंच जाये और गेट के अन्दर भी घुस सके। वहां तो कार्यकर्ता पदाधिकारी भी तब तक नहीं फटक सकता है जब तक उसे बुलाया न गया हो।

कांग्रेस के वह लोग तो उसके लिए दूसरी पार्टी के नेता और सांसद थे। इस घटना के बाद कांग्रेस ने इन नेताओं को नोटिस जारी की है कि बिना पार्टी की अनुमति के वे कैसे वहां गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि ऐसी कोई अनुमति नहीं ली गई थी। तो क्या इन नेताओं को सपना आया और वह उठे और चले गए।

जहां तक कांग्रेस का सम्बन्ध है क्या इन नेताओं का कृत्य पार्टी द्वारा अधिकृत था या इन्हें यह दायित्व सौंपा गया था कि वे 'बहन जी' से मिलें और भविष्य की राजनीति की रूपरेखा पर बात करें। ये नेता खुद ही सफाई देने में लग गए हैं कि वे तो यूं ही मिलने चले गए थे। बसपा में बहन जी से मुलाकात करने गए लोगों में कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया जो पीएल पुनिया के बेटे हैं। पीएल पुनिया मायावती के मुख्यमंत्रित्वकाल में सचिव रहे हैं। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम शामिल थे। क्या इसे यह माना जाये कि यह लोग राहुल गांधी का कोई सन्देश मायावती को देना चाहते थे जिसे वे लेने को तैयार नहीं हुईं।

जबसे 1989 से कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर हुई और बसपा का उभार हुआ कांग्रेसी नेता अपनी कमजोरी दूर करने के लिए बार-बार बहुजन समाज पार्टी को अपने खेमे में लाने के लिए प्रयासरत रहते आये हैं। लेकिन एक बार विधानसभा चुनाव को छोड़ दिया जाये तो बसपा कभी कांग्रेस के झांसे में नहीं आयी। तब भी नहीं जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मायावती के जन्मदिन पर डिनर डिप्लोमेसी की थी और बहुत बड़ा बुके भेंट किया था। यही नहीं परमाणु करार में सरकार गिरने पर मायावती को प्रधानमंत्री बनाने में लगे वामपंथी दलों के नेता जब इस एपीसोड के बाद होने वाले चुनाव से पहले लखनऊ में बड़ा सा गुलदस्ता लेकर पहुंचे थे चुनावी गठबंधन के लिए तो भी मायावती ने उन्हें टरका दिया। बसपा ने 1996 में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ा था। बसपा तीन सौ सीटों पर और कांग्रेस 125 सीटों पर। परिणाम आने पर पर बसपा 67 पर सिमटी थी और कांग्रेस 37पर। विधानसभा त्रिशंकु हुई तो बसपा कांग्रेस के साथ चुनाव लड़कर आयी थी लेकिन भाजपा के साथ छः-छः माह के गठबंधन की सरकार बनाने निकल गई। कांग्रेस मुंह ताकती रह गई। फिर भी कांग्रेस को लगता है कि यदि बसपा उनके साथ आये तो कांग्रेस को उसका लाभ मिल जायेगा क्योंकि वह समझती है कि मरा हाथी भी सवा लाख का होता है। कांग्रेस समझती है कि उसके तीन आधारभूत वोट छितर-बितर हो गए जिसकी वजह से वह 1989 के पूर्व उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद सर्वाधिक समय तक शासन करती रही उसके आधारभूत वोट में दलित वोट को बसपा ले गई मुस्लिम वोटरों को सपा ले गई और सवर्णों को भाजपा ले गई तो उसके पास वोट ही कौन सा बचा। इसलिए वह बार-बार बसपा के दुत्कारने के बावजूद गठबंधन के लिए पांसा फेंकती रहती है।

जिस प्रकार पश्चिम बंगाल में कांग्रेस से निकलकर क्षेत्रीय पार्टी बनी तृणमूल कांग्रेस की हार हुई है। तमिलनाडु में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे डीएमके और स्टालिन की हार हुई है। केरल में कांग्रेस को अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ सत्ता मिली है। राज्यों में क्षेत्रीय दलों के समापन का युग बताया जा रहा है। यही कारण है कि बिहार में तेजस्वी की राजद के साथ भी कांग्रेस की बहुत सी सीटों पर फ्रेंडली फाइट हुई। कांग्रेस भी यही चाहती है और भाजपा भी कि क्षेत्रीय दलों का अंत हो। दोनों ही राष्ट्रीय पार्टियां हैं और क्षेत्रीय दल उन्हें फूटी आंखों नहीं सुहाते हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसने भी क्षेत्रीय दलों के साथ वही सब कुछ किया जो अब भाजपा कर रही है।

यही कारण है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस बार-बार बसपा से जुड़ने के लिए प्रयासरत रही लेकिन जब भी कांग्रेस ने बसपा से हाथ मिलाना चाहा, बसपा ने हाथ झटक दिया। बसपा भी डरती है कि यदि उसने कांग्रेस से हाथ मिलाया तो कहीं उसका बचा खुचा वोट भी कांग्रेस न ले उड़े। यही कारण है कि बसपा कांग्रेस के विपक्ष में होने के बावजूद भाजपा से अधिक आलोचना उसकी करती रहती है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता सपा के साथ हुए गठबंधन का परिणाम रही। सपा को भी उस चुनाव में लाभ इसलिए मिल सका क्योंकि लोगों को लोकसभा के लिए राष्ट्रीय पार्टी का विकल्प चाहिए था। नहीं तो इसी प्रदेश में सपा के उम्मीदवार खड़ा न करने के बावजूद राहुल गांधी तक अपनी सीट से चुनाव हार चुके हैं।

कांग्रेस के दलित नेताओं का बसपा के दरवाजे पर जाना अकारण नहीं कहा जा सकता है, वह भी ऐसे समय में जब राहुल गांधी प्रदेश में दो दिनी दौरे पर हों। कांग्रेस चाहे जितनी सफाई दे लेकिन यह किसी के गले नहीं उतर सकती है कि अचानक सपने में सब कुछ तय हो गया और ये नेता उसे हकीकत में बदलने के लिए निकल पड़े। इस घटना को सपा से अधिक सीटें लेने के दबाव के रूप में भी देखा जा सकता है क्योंकि एक दिन पूर्व ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि सवाल सीट का नहीं जीत का है।

अभिव्यक्ति

हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां इस दुनिया के हर नागरिक के साथ गरिमा और सम्मान से व्यवहार किया जाए। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां मतभेद विवाद में न बदले और विवाद आपदाओं का कारण न बने।

-राजनाथ सिंह,रक्षा मंत्री

चिंतन

-राकेश अचल

ये दुनिया कुत्तों के लायक नहीं

भारत की शीर्ष अदालत ने खतरनाक, रेबीजग्रस्त और असाध्य रूप से बीमार कुत्तों को दया मृत्यु देने का आदेश दिया है। अदालत ने आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के अपने पुराने आदेश को भी वापस लेने से इंकार कर दिया है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर देश का कोई कुत्ता प्रतिक्रिया नहीं दे सकता फिर चाहे वो आवारा कुत्ता हो या संभ्रांत कुत्ता। लगता है कि आज की दुनिया कुत्तों के लिए बनी ही नहीं है। क्योंकि सिर्फ भारत ही नहीं दुनिया के तमाम देशों में कुत्ते अनावश्यक प्रजाति हैं? एक कुत्ता प्रेमी होने के नाते मुझे माननीय सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला रुचिकर नहीं लगा। मैं इस फैसले को यदि एक कुत्ते की हैसियत से देखूं तो मुझे ये अतुलनीय और हिंसक फैसला लगता है। कुत्ते भी भगवान ने बनाए हैं और वे विलुप्त प्रजाति में शामिल नहीं हुए, इसका अर्थ ये है कि भगवान भी इस धरती को कुत्ताविहीन नहीं देखना चाहते। मेरी जानकारी के मुताबिक कुत्ते इनसान के आदिकालीन मित्र हैं, ठीक वैसे ही जैसे गाय, बैल, घोड़े, तोते आदि। कुत्ते कलियुग की देन नहीं हैं। वे महाभारत काल में भी थे। युधिष्ठिर के पास भी कुत्ता था और मुमकिन है कि आज के युधिष्ठिरों के पास भी कुत्ते हों। कुत्तों के बिना एक सुखी जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मैंने खुद एक साथ पांच-पांच कुत्ते पाले हैं। दुनिया में कुत्तों की कुल आबादी का हालांकि कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है, लेकिन तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार दुनिया में लगभग 90 करोड़ से 1 अरब कुत्ते हैं। इनमें पालतू और आवारा दोनों शामिल हैं। एक ताजा शोध के अनुसार दुनिया के लगभग 70-80 प्रतिशत कुत्ते 'फ्री-रेंज' यानी खुले में रहने वाले या आवारा प्रकृति के हैं। मुद्दा चूंकि भारत के कुत्तों के भविष्य से जुड़ा है इसलिए सिर्फ भारत की बात करते हैं। भारत में कुत्तों की गणना प्रामाणिक नहीं है क्योंकि वे वोट नहीं देते। कुत्तों की कोई आधिकारिक सूची भी नहीं है इसलिए कभी उनका एस आई आर भी नहीं हुआ। कुत्ते घुसपैठिये भी नहीं है सो वे कभी राजनीतिक मुद्दा भी नहीं बने। भारत में कुत्तों की आबादी का हर आंकड़ा विवादास्पद है। फिर भी भारत में 1.5 करोड़ से लेकर 6 करोड़ तक आवारा कुत्तों का अनुमान है। वैसे हाल के कुछ अनुमानों में केवल आवारा कुत्तों की संख्या लगभग 1.53 करोड़ (15.3 मिलियन) बताई गई है। भारत में सबसे ज्यादा आवारा कुत्ते उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में बताए जाते हैं। भारत में कदाचित ही ऐसा कोई राज्य होगा जहाँ कुत्ते न पाए जाते हों। हमारे लोक में कुत्तों को घोड़े की तरह वफादार और बकौल हमारी दादी के 'बिना झोली का फकीर' कहा जाता है। ये कुत्ते अपने मालिक को कभी ये धमकी इसीलिए नहीं दे पाते कि- 'मैं झोली उठाकर चला जाऊंगा'। भारत चूंकि अहिंसा को परम धर्म मानता है सो यहाँ कुत्ता मारने की कोई राष्ट्रीय या प्रांतीय सरकारी नीति नहीं है। भारत में कुत्तों को भी सम्मान से जीने का हक है लेकिन इनसानों की तरह ही कुत्तों की एक बड़ी आबादी होमलेस है। इन्हें दो जून का भोजन मुफ्त में देने की भी कोई नीति नहीं है.इसी वजह से देश के कुत्तों का मामला देश की शीर्ष अदालत तक पहुंचा। दुनिया के कई देशों में सरकारें या स्थानीय प्रशासन आवारा कुत्तों को मारने की नीति अपनाते रहे हैं, खासकर रेबीज, हमलों या बड़े आयोजनों के समय। चीन यात्रा के दौरान मुझे बताया गया था कि चीन में रेबीज फैलने या बड़े सरकारी आयोजनों से पहले कई शहरों में बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तोंको मार दिया जाता है। पड़ोसी पाकिस्तान के कराची और अन्य शहरों में जहरीला खाना देकर हजारों आवारा कुत्तों को मारने के अभियान चले.बांग्लादेश में भी पहले बड़े पैमाने पर मारने की नीति थी, बाद में नसबंदी और टीकाकरण मॉडल की ओर झुकाव बढ़ा.मोरक्को, में भी आवारा कुत्तों की गोली मारकर हत्या की जाती है। टर्की में आवारा कुत्तों को लेकर राजनीतिक विवाद चलता रहा कुछ नगरपालिकाओं पर मारने के आरोप लगे। रोमानिया में वर्ष 2013 के बाद आक्रामक कुत्तों के मामलों के बाद इच्छामृत्यु कानून लागू हुए.श्रीलंका में भी रेबीज पीड़ित कुत्ते मार दिए जाते हैं। भारत में कानूनन बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारना अनुमति प्राप्त नहीं है। भारत की नीति मुख्यतः नसबंदी, एंटी-रेबीज टीकाकरण और पुनर्वास पर आधारित है। अब देखना है कि सुप्रीमकोर्ट के ताजा फैसले के बाद देश में कितने कुत्ते मारे जाते हैं, कितनों को आश्रय मिलता है?

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ईरान और इजरायल के बीच की असली अदावत?

इस संघर्ष के दौरान इजरायल अपनी सैन्य शक्ति के बल पर लगातार सीमाओं का विस्तार करता गया और फिलिस्तीनियों को उनके ही मूल क्षेत्रों से पीछे धकेलता रहा। विडंबना यह रही कि इन मुद्दों पर वैश्विक प्रतिक्रिया सीमित और असंगत रही है। लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने वाले किसी भी देश ने इजरायल की विस्तारवादी नीति का विरोध और फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने के लिए प्रभावी और निर्णायक हस्तक्षेप नहीं किया।

नजरिया

-विवेकानंद माथने

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों ने पूरी दुनिया को ऊर्जा संकट में धकेल दिया है। इससे जहां ईरान तो तबाह हुआ ही है वहीं खाड़ी के अमेरिकी बेस को भी क्षति पहुंची है। होर्मुज पर ईरानी प्रभुत्व ने तेल गैस को लेकर हाहाकार मचा दिया है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह खूंखार लड़ाई सिर्फ तत्कालीन कारणों से हो रही है? या फिर इसके पीछे हिंसक स्वार्थ से भरा कोई इतिहास भी है?

पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच जारी मौजूदा संघर्ष ने अब दुनियाभर को अपनी चपेट में ले लिया है। युद्धरत समेत सभी देशों में तेल उर्फ ऊर्जा की कमी ने हाहाकार मचा दिया है। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विचारधारा, साम्राज्यवाद-विरोध, धार्मिक मान्यताओं और क्षेत्रीय वर्चस्व की लंबी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है। सवाल है कि 1979 के बाद ईरान इस संघर्ष में कैसे सक्रिय हुआ, उसकी वैचारिक दिशा क्या रही और किस प्रकार यह संघर्ष समय के साथ गहराता हुआ आज व्यापक क्षेत्रीय टकराव का रूप ले चुका है? 1948 में फिलिस्तीन की भूमि पर इजरायल की स्थापना के बाद, फिलिस्तीनियों द्वारा अपनी जमीन और अधिकारों को पुनः प्राप्त करने के प्रयासों के साथ संघर्ष के एक नए दौर की शुरुआत हुई। इस संघर्ष के दौरान इजरायल अपनी सैन्य शक्ति के बल पर लगातार सीमाओं का विस्तार करता गया और फिलिस्तीनियों को उनके ही मूल क्षेत्रों से पीछे धकेलता रहा। विडंबना यह रही कि इन मुद्दों पर वैश्विक प्रतिक्रिया सीमित और असंगत रही है। लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने वाले किसी भी देश ने इजरायल की विस्तारवादी नीति का विरोध और फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने के लिए प्रभावी और निर्णायक हस्तक्षेप नहीं किया। 1979 की 'इस्लामी क्रांति' के बाद ईरान में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई। नई सरकार ने शाह के शासनकाल में इजरायल के साथ रहे सभी संबंधों को पूरी तरह समाप्त कर दिया। ईरान ने इजरायल को 'छोटा शैतान' और अमेरिका को 'बड़ा शैतान' की संज्ञा देते हुए इजरायल को एक अवैध राष्ट्र घोषित कर दिया। इसके साथ ही ईरान ने इजरायल के साथ सभी राजनयिक संबंध भी खत्म कर दिए। यहीं से इजरायल और अमेरिका के विरुद्ध ईरान के वैचारिक विरोध की स्पष्ट शुरुआत हुई। 'इस्लामी क्रांति' के बाद ईरान ने दुनिया के उपेक्षित, दबे-कुचले समुदायों के समर्थन को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया। ईरान के अनुसार फिलिस्तीनियों को उत्पीड़ित करके अपनी ही जमीन पर कैदी बना दिया गया है। वह उन लोगों की मदद कर रहा है, जिन्हें दुनिया ने उनके हाल पर छोड़ दिया है। इन परिस्थितियों में ईरान के लिए सशस्त्र प्रतिरोध एक प्रमुख रणनीति के रूप में उभरा। 1982 में लेबनान पर इजरायल के आक्रमण के बाद ईरान ने 'हिज्बुल्लाह' के गठन में सहयोग दिया, जिससे इजरायल की उत्तरी सीमा पर एक नया दबाव बना। बाद में उसने 'हमास' सहित अन्य समूहों को समर्थन देकर प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय 'प्रॉक्सी युद्ध' की रणनीति अपनाई। ईरान ने मध्य-पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इजरायल की सीमाओं के निकट 'प्रतिरोध की धुरी' (एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस) का गठन किया, जिसमें सीरिया की सरकार, लेबनान का 'हिजबुल्लाह,' गाजा का 'हमास' और यमन के 'हूती' विद्रोही शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी प्रभाव का विरोध करना तथा फिलिस्तीनी संघर्ष का समर्थन करते हुए उनकी भूमि वापस पाना है। अमेरिका ने ईरान के पड़ोसी देशों में अपने सैन्य ठिकाने स्थापित कर क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और दबाव बनाए रखा है। वहीं, इजरायल 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए 'वेस्ट बैंक' में बस्तियों का विस्तार और गाजा की घेराबंदी जारी रखे हुए है। कई विश्लेषकों के अनुसार, यह संघर्ष केवल भूभाग का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभाव और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा का भी है। ईरान का मानना है कि इजरायल केवल एक देश नहीं, बल्कि मध्य-पूर्व में अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों की एक अग्रिम चौकी है। उसके अनुसार, इजरायल का गठन इस क्षेत्र के संसाधनों पर नियंत्रण रखने और मुस्लिम देशों को कमजोर करने के लिए एक औपनिवेशिक परियोजना के तहत किया गया है। ईरान इस संघर्ष को साम्राज्यवाद और अन्याय के खिलाफएक व्यापक लड़ाई के रूप में देखता है। इसी संदर्भ में उसने 'अल-कुद्स दिवस' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीन के समर्थन में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना है। दूसरी ओर, इजरायल इस पूरे परिदृश्य को अपनी सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखता है। अपनी स्थापना के बाद से ही उसे अपने अस्तित्व के लिए लगातार युद्धों और हमलों का सामना करना पड़ा है। इसलिए वह अपनी सैन्य ताकत, खुफिया नेटवर्क और तकनीकी श्रेष्ठता को बनाए रखने की नीति अपनाता है और विशेष रूप से ईरान जैसे विरोधी देशों को कमजोर करने की रणनीति पर भी काम करता है। परमाणु कार्यक्रम इस संघर्ष का एक और केंद्रीय मुद्दा है। इजरायल के पास अघोषित रूप से परमाणु हथियार हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाता, वहीं ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए हैं। ईरान इसे पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड मानता है, जबकि इजरायल का मानना है कि यदि ईरान परमाणु हथियार विकसित कर लेता है, तो उसके अस्तित्व को खतरा पैदा हो जाएगा। ईरान का आरोप है कि इजरायल उसके खिलाफ एक गुप्त युद्ध चला रहा है। ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की हत्याओं, साइबर हमलों और सैन्य ठिकानों पर हमलों के पीछे इजरायल की भूमिका मानी जाती है। इजरायल द्वारा सीरिया में ईरानी ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों को भी ईरान अपनी संप्रभुता पर हमला मानता है। 7 अक्टूबर 2023 को 'हमास' ने इजरायल पर हमला किया। इस हमले में बड़ी संख्या में इजरायली नागरिकों की मौत हुई और सैकड़ों लोगों को बंधक बनाया गया। इसके बाद इजरायल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें अब तक 75,000 से अधिक निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए, इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा के लगभग 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। इसके मानवीय प्रभावों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। 2024 में 'अंतरराष्ट्रीय न्यायालय' ने एक राय दी थी, जिसमें 1967 से फिलिस्तीनी क्षेत्रों (गाजा पट्टी, 'वेस्ट बैंक' और पूर्वी यरुशलम) पर इजरायल के कब्जे को अवैध बताया गया था और बस्तियों के विस्तार को अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध माना गया था। हालांकि, इसका क्रियान्वयन 'संयुक्त राष्ट्र संघ' और उसके सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। फिलहाल यह संघर्ष फिलिस्तीनियों की भूमि और अधिकारों की लड़ाई, ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और वैचारिक प्रतिबद्धता तथा इजरायल की सुरक्षा और अस्तित्व संबंधी चिंताओं को उजागर करता है। ईरान इसे अन्याय और विदेशी वर्चस्व के विरुद्ध 'प्रतिरोध की लड़ाई' के रूप में प्रस्तुत करता है, जो उसके लिए आत्मसम्मान और न्याय का प्रश्न है। दूसरी ओर, इजरायल अपनी सैन्य और तकनीकी श्रेष्ठता के सहारे स्वयं को सुरक्षित रखना चाहता है या उसके लिए यह संघर्ष अपने अस्तित्व और सुरक्षा को बनाए रखने का एक अनिवार्य प्रयास है। स्पष्ट है कि यह संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इतिहास, राजनीति, सुरक्षा और न्याय की परस्पर विरोधी धारणाओं का परिणाम है। जब तक इन बुनियादी प्रश्नों का कोई न्यायपूर्ण और सर्वमान्य समाधान नहीं निकलता, तब तक यह टकराव न केवल जारी रहेगा, बल्कि भविष्य में और भी अधिक व्यापक और विनाशकारी रूप ले सकता है। (सप्रेस)

(लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं)

'अर्बन हीट आइलैंड' से निपटने की 'मियावाकी' तकनीक

ज्वलंत

सुदर्शन सोलंकी

भारत के 80 प्रतिशत से अधिक जिले आज भीषण गर्मी और चरम मौसम की मार झेल रहे हैं। दुनिया के बीस सबसे गर्म शहरों में 19 उत्तर प्रदेश और एक नेपाल का है। इसका एक सबसे बड़ा कारण है। शहरों का 'अर्बन हीट आइलैंड' में तब्दील होना। आधुनिकता की होड़ में हमने पेड़ों को काटकर कांक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। डामर की सड़कें, ऊंची इमारतें और कांच के मुखौटे दिन भर सूरज की गर्मी को सोखते हैं और रात के समय उसे उत्सर्जित करते हैं। परिणाम यह होता है कि शहरों का तापमान ग्रामीण इलाकों की तुलना में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है। यह अतिरिक्त गर्मी न केवल हमारी कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है, बल्कि 'हीट स्ट्रोक' जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण भी बन रही है। मौजूदा विकास का तौर-तरीका कुछ ऐसा है कि सीमेंट के घने जंगलों में तब्दील होते हमारे शहर अब 'अर्बन हीट आइलैंड' यानि गर्मी के शहरी टापू बनते जा रहे हैं। ऐसे में जापानी वनस्पति-शास्त्री अकीरा मियावाकी की बताई तकनीक एक हद तक इनसे निपट सकती है। ग्लेशियरों का संकटः जलवायु परिवर्तन का असर केवल मैदानी इलाकों तक सीमित नहीं है। हिमालयी ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की दर ने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। जब पहाड़ों की बर्फपिघलती है और मैदानी इलाकों के पेड़ कम होते हैं, तो पूरा क्षेत्रीय जलवायु चक्र असंतुलित हो जाता है। दूसरी ओर नदियों के सूखने के कारण उस पारिस्थितिकी तंत्र के ढहने की शुरुआत होती है जो अरबों लोगों की प्यास बुझाता है।

'एसी' का मोह और बाहर बढ़ती तपिशः विडंबना देखिए, जिस गर्मी से बचने के लिए हम 'एयर-कंडीशनर' (एसी) का सहारा लेते हैं, वही 'एसी' बाहर के तापमान को और बढ़ा रहे हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, 'एसी' से निकलने वाली गर्म हवा बाहरी तापमान को 1 डिग्री तक बढ़ा सकती है। हम भीतर तो खुद को ठंडा रख लेते हैं, लेकिन बाहर की दुनिया को और अधिक झुलसने के लिए छोड़ देते हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है जिसमें हम पर्यावरण की कीमत पर अपनी सुख-सुविधाएं खरीद रहे हैं। 'मियावाकी तकनीक': जब हम 'ग्रीन-कवर' बढ़ाने की बात करते हैं, तो अक्सर जगह की कमी का रोना रोया जाता है। यहीं पर जापानी वनस्पति-शास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित 'मियावाकी तकनीक' एक क्रांतिकारी समाधान बनकर उभरती है। इस पद्धति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पेड़ों को बहुत पास-पास लगाया जाता है, जिससे वे सूरज की रोशनी के लिए ऊपर की ओर तेजी से बढ़ते हैं। 'मियावाकी तकनीक' से उगाए गए जंगल सामान्य जंगलों की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं और 30 गुना अधिक घने होते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन्हें हमारे घर के पीछे की छोटी सी जगह, सरकारी दफ्तरों के अहाते या रोड-डिवाइडर के बीच भी विकसित किया जा सकता है। ये छोटे जंगल न केवल कार्बन सोखने में माहिर होते हैं, बल्कि स्थानीय जैव-विविधता को भी आश्रय देते हैं और कांक्रीट के बीच 'नेचुरल कूलिंग पैच' का काम करते हैं। यदि हमारे शहरों के हर वार्ड में एक मियावाकी वन हो, तो शहरी तापमान में उल्लेखनीय गिरावट लाई जा सकती है। 'ग्रीन-कवर': हमें यह समझना होगा कि हरियाली केवल सजावट की वस्तु नहीं है। एक परिपक्व पेड़ न केवल कार्बन सोखता है, बल्कि 'वाष्पीकरण' के जरिए प्राकृतिक 'एयर कंडीशनर' का काम करता है। यह आसपास के तापमान को 2 से 4 डिग्री तक कम करने की क्षमता रखता है। इंदौर और धार जैसे क्षेत्रों में, जहाँ गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है, मियावाकी जैसी सघन वन तकनीकों को अपनाना अब समय की अनिवार्य मांग है। यह तकनीक हीट डोम के असर को कम करने में ढाल की तरह काम करती है। जलस्रोतों का पुनर्जीवन यानि धरती का कूलिंग सिस्टमः धरती के तापमान को नियंत्रित करने में जलस्रोतों की भूमिका एक कूलिंग सिस्टम की तरह होती है। अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण सूखते तालाब और दम तोड़ती नदियाँ हमारी धरती की नमी को सोख रही हैं। जब तक जलस्रोतों का पुनर्जीवन नहीं होगा, तब तक 'हीट डोम' जैसे खतरों से पार पाना मुश्किल होगा। हमें वर्षा जल-संचयन (रेनवॉटर हार्वेस्टिंग) को एक अनिवार्य सामाजिक जिम्मेदारी बनाना होगा।

मिशन लाइफः भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया 'मिशन लाइफ' हमें सिखाता है कि हम अपनी छोटी-छोटी आदतों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। ऊर्जा की कम खपत, सौर ऊर्जा का उपयोग और संसाधनों का रीसायकल करना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत है। हमें विकास की ऐसी परिभाषा गढ़नी होगी जिसमें प्रकृति का विनाश नहीं, बल्कि उसका सह-अस्तित्व शामिल हो।

समय हाथ से निकल रहा हैः 'पृथ्वी दिवस' (22 अप्रैल) बीत चुका है, लेकिन पृथ्वी के प्रति हमारी जिम्मेदारी हर दिन की है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को एक सिसकती और प्यासी धरती नहीं देना चाहते, तो हमें आज ही कदम उठाने होंगे। अब समय केवल भाषणों और संकल्पों का नहीं है, बल्कि 'मियावाकी' जैसे ठोस प्रयोगों को हर गली-मोहल्ले तक ले जाने का है। याद रहे, प्रकृति के बिना मनुष्य का कोई अस्तित्व नहीं है। यदि हम आज प्रकृति के लिए 'हरा कवच' तैयार करेंगे, तभी कल प्रकृति हमारा बचाव कर पाएगी।

(लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के एवं ब्लॉगर हैं)

बोलती कविता

जितने पत्थर बाकी...

जितने पत्थर बाकी है सब धीरे-धीरे पिघलेंगे
आने वाले कल की है तस्वीर हमारी आँखों में।

बेला, जुही, चमेली, चम्पा, हरसिंगार लिख दे
कैसे कोई शायर पतझर को बहार लिख दे।

हमारे नाम जो भी हों मगर क्या फर्क पड़ता है
इसी गुलशन, इसी उद्यान में इक साथ खिलते हैं।

राम, रावन सब इसी दुनिया में आ कर के बनें
जन्म से इन्सॉं कोई अच्छा, बुरा होता नहीं।

सहारा था उन्हें बनना, सहारा ढूंढते हैं वो
कहीं का भी नहीं रखती जवॉं बच्चों को बेकारी।

अशुभ लकीरें माथे पर हों उनसे कोई खौफ नहीं
मगर दिलों के बीच खिंचे जो उस लकीर से डरता हूं।

-डी एम मिश्र

महिला समेत चार बच्चों का निर्मम हत्याकाण्ड

पीड़ित पति ने पुलिस पर दबाव बनाकर बयान देने को मजबूर किये जाने का लगाया आरोप

पुलिस की कार्यशैली पर लगाये प्रश्न चिन्ह, 18 दिन बीत जाने के बाद भी न्याय न मिलने पर मुख्यमंत्री से की फरियाद

» घटना में कुछ सफेदपोशों के भी शामिल होने का लगाया आरोप

(अम्बेडकरनगर कार्यालय)

अम्बेडकरनगर। जनपद मुख्यालय अकबरपुर नगर के मीरानपुर मोहल्ला (मुरादाबाद) में गत 2 मई की मां समेत चार बच्चों कुल पांच लोगों के हुए निर्मम और जघन्य हत्याकाण्ड में मृतक महिला के पति और मृत बच्चों के पिता मोहम्मद नियाज पुत्र मोहम्मद फरियाद उर्फ ने घटना की 18 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन की तरफ से किसी तरह की कोई ठोस कार्यवाई न किये जाने से क्षुब्ध होकर मुख्यमंत्री समेत पुलिस के आला अधिकारियों व जिले के पुलिस अधिकारी को शिकायत कर घटना में अन्य संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाई की मांग किया है।

पीड़ित ने सोशल मीडिया पर अपना वीडियो (वायरल वीडियो की पुष्टि जनमोर्चा नहीं करता है) बनाकर प्रसारित करते हुए लोगों से न्याय दिलाने की मांग की है साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर भी प्रश्नचिन्ह लगाते हुए पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है और कहा है कि पुलिस ने घटना के बाद जब वह जनपद आया था तो उसे थाने बुलाकर दबाव बनाया कि जिस तरीके से वह कह रही है उसी तरीके से बयान दे। दबाव में आकर उसने बयान दिया। पीड़ित ने यह भी कहा है कि जिस आमिर का इन्काउंटर पुलिस ने किया है उसके बारे में उसने ही पुलिस को जानकारी दी थी। पीड़ित का कहना है कि उसका आदमी भला किस तरीके से पांच लोगों की हत्या की घटना को अंजाम दे सकता है और लाश को भी बाहर लाकर फेंका है। उसने बताया कि इस घटना में कई लोग शामिल है। पीड़ित ने पुलिस पर यह भी आरोप लगाया है कि उसने आमिर को पहले ही पूछताछ के लिये उठाया था और उससे पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के बजाय आमिर का ही इन्काउंटर कर दिया। पीड़ित ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बताया है कि उसका परिवार उजड़ गया। पुलिस प्रशासन ऐसे में न्याय दिलाने के बजाय उस पर ही दबाव बनाकर मनगढ़ंत तरीके से बयान दिलवाया और दबाव बनाकर सादी भेज दिया। पीड़ित ने कुछ लोगों का जिक्र किया है और उसका दावा किया है साथ ही कहा है कि मुख्यमंत्री व पुलिस के अधिकारियों को सारे पेपर उसने भेजे हैं लेकिन उसके बाद भी कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है। आरोपियों को पुलिस प्रशासन बचाने में लगी हुई है। पीड़ित ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कुछ सफेदपोशों के भी घटना में शामिल होने की भी आशंका जताई है और कहा कि इन्काउंटर में मृत युवक आमिर के रिश्तेदार का भी नाम लेते हुए घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया में पीड़ित के वायरल वीडियो में कुछ सफेदपोशों, पुलिसकर्मियों में हड़कम्प मचा रहा। आने वाले समय में ही पता चल पायेगा कि पीड़ित के आरोप में कितनी सच्चाई है। पीड़ित का वायरल वीडियो वास्तविक है या फर्जी है।

सुप्रीम कोर्ट और मानव अधिकार आयोग के निर्देश पर इनकाउंटर की घटना की होगी मैजिस्ट्रियल जांच

अम्बेडकरनगर (अ.का.)। पांच लोगों के निर्मम हत्याकाण्ड का मुख्य अभियुक्त माने हुए जिस आमिर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। सुप्रीम कोर्ट और मानवाधिकार आयोग के निर्देश के क्रम में पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के आदेश पर इनकाउंटर की घटना की मैजिस्ट्रियल जांच कराये जाने के लिये जिलाधिकारी के अनुमोदन पर अपर उप जिलाधिकारी अकबरपुर राजेश कुमार को मैजिस्ट्रियल जांच अधिकारी नामित किया गया है। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति अपना लिखित एवं मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता है तो दिनांक 30.05.2026 की सायं 5 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में अपर उपजिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत हो सकता है।

राजस्व विभाग की नयी व्यवस्थाओं ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाई

टाण्डा (अम्बेडकरनगर)।

टांडा तहसील क्षेत्र में राजस्व विभाग की नई व्यवस्थाओं ने किसानों और आम लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। शासन के निर्देश पर तहसील क्षेत्र के अधिकांश राजस्व ग्रामों की खतौनियों का अंश निर्धारण किया जाना था, लेकिन आज भी दर्जनों गांव ऐसे हैं जहाँ यह प्रक्रिया अधूरी पड़ी हुई है।

शासन की प्राथमिकता में शामिल इस कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना था, लेकिन तहसील के राजस्व कर्मियों की लापरवाही और उदासीनता के कारण यह काम वर्षों बाद भी अधूरा है। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर लापरवाही की जिम्मेदारी न कोई अधिकारी लेने को तैयार है और न ही कर्मचारी। इसका सबसे बड़ा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। जरूरत पड़ने पर जब कोई किसान अपनी जमीन बेचने रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचता है, तो बिना अंश निर्धारण के उसकी रजिस्ट्री करने से साफ इनकार कर दिया जाता है। मजबूर किसान जब अंश निर्धारण कराने तहसील पहुंचता है, तो लेखपालों द्वारा खुलेआम 5 से 10 हजार रुपये तक की मांग किए जाने के आरोप लग रहे हैं। किसानों का कहना है कि बिना नजराना दिए उनका काम नहीं किया जाता। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए थे, तो जिन गांवों की खतौनियों का अंश निर्धारण नहीं हुआ, वहां अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? आखिर लेखपालों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने का आदेश क्यों नहीं दिया गया। इस पूरे मामले में केवल लेखपाल ही नहीं, बल्कि तहसीलदार और एसडीएम की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यदि जिम्मेदार अधिकारी समय रहते निगरानी करते, तो किसानों को तहसील के चक्कर काटने और भ्रष्टाचार का शिकार होने की नौबत नहीं आती। कुल मिलाकर टांडा तहसील में अंश निर्धारण के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है, जिसमें पूरा राजस्व विभाग संदेह के घेरे में दिखाई दे रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि शासन और जिला प्रशासन किसानों की इस पीड़ा पर कब संज्ञान लेते हैं और भ्रष्टाचार पर कब कार्रवाई होती है।दूसरी तरफ रजिस्ट्री बैनामा न होने से सरकार का राजस्व भी घट रहा है।

संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत

अम्बेडकरनगर। विद्युत फाल्ट ठीक करते समय एक संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गयी। बताया जाता है कि गम्भीर रूप से झुलसे लाइनमैन ने लखनऊ इलाज के लिये ले जाते समय दम तोड दिया। मृत लाइनमैन की पहचान अहिरौली थाना क्षेत्र के खेवार गांव निवासी दयाशंकर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि यह मिर्जापुर कोडरा में रहते थे और 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र बैरमपुर बरवा पर संविदा लाइनमैन के रूप में काम कर रहे थे। मिर्जापुर क्षेत्र में विद्युत फाल्ट ठीक करते समय यह घटना घटी है। जेई महेन्द्र पटेल ने बताया कि मामले की जांच करायी जायेगी और दोषी के विरुद्ध कठोर कार्यवाई होगी।

सार संक्षेप

मांगों को लेकर लखनऊ जायेगा प्रधानों का जत्था

मुजाहिदपुर (अम्बेडकरनगर)। ग्राम पंचायत का कार्यकाल बढ़ाये जाने की मांग को लेकर ग्राम प्रधानों का एक जत्था लखनऊ के लिये रवाना होगा और इको गार्डन पार्क लखनऊ में अपनी मांगों के लिये जनसभा करेगा। उक्त जानकारी विकास खण्ड बसखारी इकाई के प्रधान संघ अध्यक्ष विजयमणि यादव ने बताया कि 26 मई को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। स्थानीय ब्लाक से 50 ग्राम प्रधानों का एक जत्था लखनऊ जाकर अपनी मांगो को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में गांव-गांव में विकास हुआ है। कार्यकाल बढ़ने पर जो विकास कार्य अधूरे पड़े है उनको पूरा करा दिया जायेगा।

मदरसे के बाउण्ड्रीवाल में बड़ा गेट लगाने को लेकर विवाद

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। जलालपुर नगर के सहव तारा मोहल्ले में संचालित एक मदरसे के बाउंड्री वॉल में बड़ा गेट लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाकर पूछताछ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता और क्षेत्राधिकारी अनूप सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा दोनों पक्षों से जानकारी लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने और यथास्थिति कायम रखने के निर्देश दिए। कोतवाल अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में है और दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता हो गया है।

मजलिस-ए-चेहल्लुम का आयोजन

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। नगर के जाफराबाद स्थित बड़ी इमाम बारगाह में मोहम्मद जमान मरहूम पुत्र सिब्ते हसन के ईसाल- ए- सवाब के लिए आयोजित मजलिस- ए -चेहल्लुम को मौलाना सैयद नामदार अब्बास दिल्ली ने खिताब करते हुए बच्चों की शिक्षा और उनके नैतिक विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बेहतर शिक्षा ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनाती है और एक मजबूत, जागरूक व सभ्य समाज की नींव रखती है। मौलाना ने कहा कि इस्लाम ने हमेशा ज्ञान अर्जन को सर्वोच्च स्थान दिया है और शिक्षा को हर इंसान के लिए जरूरी बताया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें और उन्हें अच्छी तालीम के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का भी बोध कराएं। उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और उनके नवासों हजरत इमाम हसन व हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की शिक्षाओं का हवाला देते हुए कहा कि अहले-बैत का जीवन ज्ञान, त्याग और इंसानियत की मिसाल है, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

आर्केस्ट्रा में बाधक बने लोगों ने पिता-पुत्र को पीटा

टाण्डा (अम्बेडकरनगर)।

बहुभोज कार्यक्रम के अवसर पर हो रहे आर्केस्ट्रा में अराजकता फैलाने वालों ने मना करने पर पिता पुत्र की पिटाई कर दी और आर्केस्ट्रा के स्टेज पर कुल्हाड़ी लेकर चढ़ कर धमकी व गाली दिए जिससे स्टेज पर प्रोग्राम पेश कर रही महिला कलाकारों को भाग कर अपनी जान बचानी पड़ी। मामला हंसवर थाना क्षेत्र के ग्राम नरकटा बैरागीपुर का है। पुलिस ने मार पीट गाली धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

घटना क्रम के अनुसार बीते 18/19 मई की रात्रि में ग्राम के जय करन पुत्र कैलेशार के घर बहु भोज का कार्यक्रम था जिसमें आर्केस्ट्रा में महिला कलाकार नृत्य कर रही थी कि ग्राम के विपक्षी ग्राम के रवि गौतम पुत्र लालमन कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न कर रहे थे। मना करने पर घर से कुल्हाड़ी लेकर आया और स्टेज पर चढ़ कर अराजकता फैलाई। उसके बाद जब जय करन तथा उसका पुत्र अमृत लाल समझाने बुझाने के लिए आगे बढ़े तो रवि और लालमन पुत्र राम फेर ने पिता पुत्र की पिटाई करने लगे और गाली तथा जान से मारने की धमकी दिए पुलिस मुकदमा दर्ज कर विवेचना कर रही है।

दो वारंटी अभियुक्त धरे गये

टाण्डा (अम्बेडकरनगर)। टांडा कोतवाली पुलिस ने न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट पर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय चालान भेज दिया है। कोतवाली पुलिस के उप निरीक्षक अजीत कुमार चौधरी ने सनी देवल पुत्र राम हरख निवासी नौवा पुरवा दबहट को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय चालान कर दिया है। वहीं पर कोतवाली के उप निरीक्षक अर्जुन ने नन्द लाल पुत्र झिनकू निवासी ग्राम इनामी पुर को विद्युत अधिनियम के चल रहे मुकदमे में पेशी पर हाजिर न होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया जिसे गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय चालान कर दिया गया।

अमृत सरोवर की भूमि पर लगे यूकेलिप्टस पेड़ की अवैध कटाई का मामला उजागर

ग्रामीणों ने प्रधान पर कटाई का लगाया आरोप

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)।

सरकार जहां एक ओर पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को लेकर करोड़ों रुपये खर्च कर गांव-गांव में अमृत सरोवर विकसित करा रही है, वहीं दूसरी ओर जलालपुर ब्लॉक क्षेत्र के सोहगुपुर गांव में अमृत सरोवर की भूमि पर लगे दर्जनों यूकेलिप्टस (लिप्टिस) के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी संपत्ति को चोरी-छिपे कटवाकर बेचने का गंभीर आरोप लगाया है।

मामला सामने आते ही पूरे क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कर्बला के पास स्थित अमृत सरोवर तालाब के चारों तरफ वर्षों से लगे लाखों रुपये कीमत के दर्जनों पेड़ों को कटवा दिया गया। आरोप है कि ग्राम प्रधान अरविंद यादव ने प्रभाव और दबंगई के बल पर अधिकारियों से सांठगांठ कर यह खेल कराया और लकड़ी को बेचकर मोटी रकम कमाई गई। ग्रामीणों के मुताबिक यह कोई पहला मामला नहीं है। करीब दो सप्ताह पहले गांव के ही दूसरे तालाब के किनारे लगे यूकेलिप्टस के पेड़ लाखों रुपये के कटवाकर बेच दिए गए थे। उस समय ग्रामीणों को भनक लगती, उससे पहले ही कटे हुए पेड़ मौके से गायब कर दिए गए। अब दोबारा दूसरे अमृत सरोवर पर भी बड़े पैमाने पर कटान शुरू होते ही चर्चा का विषय बन गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी भूमि पर लगे पेड़ों की कटाई बिना प्रशासनिक अनुमति संभव नहीं है। ऐसे में पूरे मामले में पंचायत विभाग और संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि आखिर सरकारी तालाब की भूमि पर खड़े सैकड़ों पेड़ कटते रहे और जिम्मेदार विभाग को भनक तक कैसे नहीं लगी? अमृत सरोवर योजना का उद्देश्य जल संरक्षण के साथ हरित वातावरण तैयार करना था, लेकिन यहां सरकारी संपत्ति को ही -लकड़ी माफियाओं- की तरह काटकर बेच देने का आरोप प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। मामला तूल पकड़ने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। इस संबंध में एडीओ पंचायत बृजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और स्थलीय जांच कराई जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफकठोर कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालय में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)।

एएसपी विद्या पीठ में एंटी-टोबैको डे बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने तंबाकू से दूर रहने तथा समाज में इसके खिलाफजागरूकता फैलाने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों और इसके सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्रों को स्वस्थ आदतें अपनाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने सभी को तंबाकू को ना कहने का संदेश देते हुए स्वस्थ और बेहतर भविष्य की दिशा में सकारात्मक सोच विकसित करने का आह्वान किया। इस दौरान डॉक्टर निर्मला सिंह, जय शंकर पाडेय, प्रतिभा यादव, नूतन सिंह, अनुज सिंह, सोनू कुमार सिंह, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, शिव शंकर भट्टाचार्य, रुचि गौड़, सोनाली विश्वकर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज की निन्दा

अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)।

प्रदर्शन करते अधिवक्तागण।

लखनऊ में अधिवक्ताओं पर हुए कथित बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज की घटना को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में जलालपुर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में कानून व्यवस्था की रक्षा करने वाले अधिवक्ताओं पर इस प्रकार का बल प्रयोग बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।

बार एसोसिएशन ने मांग की कि लाठीचार्ज प्रकरण में अधिवक्ताओं पर दर्ज सभी मुकदमे तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाएं तथा दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफमुकदमा दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिवक्ताओं ने यह भी मांग की कि लाठीचार्ज के दौरान क्षतिग्रस्त हुए अधिवक्ताओं के चैंबरों का पुनर्निर्माण कराया जाए और पीड़ित अधिवक्ताओं को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। इसके साथ ही प्रदेशभर के बार एसोसिएशन सदनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त चैंबर उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में अधिवक्ता प्रोटेक्शन बिल को जल्द लागू करने, 65 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं को पेंशन दिए जाने तथा जूनियर अधिवक्ताओं को निश्चित अवधि तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुख रूप से शामिल रही। अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है, इसलिए उनकी सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा अधिवक्ताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को आयुष्मान कार्ड और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी सरकार से की गई। बार एसोसिएशन ने सरकार से अधिवक्ताओं की सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। इस अवसर पर अध्यक्ष कृपाशंकर मौर्य एडवोकेट, मंत्री घनश्याम वर्मा एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हासिम रजा एडवोकेट, कोषाध्यक्ष चंद्र विजय, मो. रजा एडवोकेट समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फर्जी प्रार्थना पत्र पर रोकवा दिया निर्माण कार्य

मुजाहिदपुर (अम्बेडकरनगर)। तहसील टांडा क्षेत्र के मुबंद ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि ज्ञानधर वर्मा द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य को फर्जी प्रार्थना पत्र पर रोक दिया गया था। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के पोर्टल पर एक शिकायती प्रार्थना पत्र भेजा गया जिसमें अजीत कुमार चौरसिया पुत्र अशोक कुमार के नाम से प्रार्थना पत्र पड़ा था। इस प्रार्थना पत्र की जांच हुई जो फर्जी निकला। ग्राम पंचायत मुबंद के प्रधान प्रतिनिधि ज्ञानधर वर्मा पर आरोप लगाया गया था कि तालाब में अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसकी जानकारी होने पर अजीत के पिता ने एक शपथ पत्र उप जिलाधिकारी टांडा को दिया जिसमें कहा कि मेरा लड़का अजीत मुंबई में रोजी-रोटी के लिए गया है। उसने कोई प्रार्थना पत्र किसी के विरुद्ध कहीं नहीं दिया है। शिकायती प्रार्थना पत्र झूठ व निराधार है। अवैध निर्माण कार्य नहीं हो रहा है और तालाब से मेरा कोई लेना देना नहीं है। प्रधान प्रतिनिधि श्री वर्मा कहते हैं निर्माण कार्य तालाब में नहीं बल्कि निजी गाटा 329 (ख) में हो रहा है। इस संबंध में राम निवास, ज्ञानधर सहित अन्य लोग भी हैं। काश्तकारी की भूमि है जिसमें निर्माण कार्य हो रहा है। इस गाटे के बगल तालाब है लेकिन तालाब में कोई निर्माण नहीं हो रहा है।

अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर चूल्हा जलाकर किया विरोध-प्रदर्शन

(अम्बेडकरनगर कार्यालय)

विरोध-प्रदर्शन करते बमुप कार्यकर्तागण।

अम्बेडकरनगर। बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तहत दूसरे चरण में बुधवार को कलेक्ट्रेट के सामने स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर चूल्हा जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने घरेलू और कॉमर्शियल गैस की बढ़ती कीमतों, गैस आपूर्ति संकट तथा महंगाई के विरोध में प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने कहा कि महंगी गैस ने आम जनता, गरीब परिवारों, होटल-ढाबा संचालकों और छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, वहीं कॉमर्शियल गैस महंगी होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस एजेंसियों पर कालाबाजारी और आपूर्ति संकट के कारण उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पदाधिकारियों ने कहा कि बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा देश के 625 जिलों में चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है। पहले चरण में स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल के खिलाफ आंदोलन किया गया था, जबकि दूसरे चरण में 'चूल्हा जलाओ धरना-प्रदर्शन' के माध्यम से गैस मूल्य वृद्धि के खिलाफविरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा व राष्ट्रीय किसान मोर्चा के संयुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल, जितेंद्र राजभर, सोनू कुमार, जावेद अहमद सिद्दीकी, मनीराम पटेल, आर एम शीला, संदीप कुमार, शौकीलाल, पंकज मौलिक, सतीराम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने गैस मूल्य वृद्धि, कालाबाजारी और महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया तो आंदोलन का तीसरा चरण 31 मई को पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में 'दे धक्का आंदोलन' के रूप में चलाया जाएगा।

भीषण गर्मी में अघोषित विद्युत कटौती से उपभोक्ता परेशान

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)।

उमस भरी गर्मी के बीच बिजली उपकेंद्र कल्याणपुर से जुड़े सैकड़ों गांवों में मंगलवार रात लगातार बिजली ट्रिपिंग और अघोषित कटौती से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूरी रात बिजली की आंख-मिचौली चलती रही, जिससे उपभोक्ता ठीक से सो भी नहीं सके। रातभर महज तीन से चार घंटे ही बिजली आपूर्ति हो सकी। बार-बार बिजली आने-जाने से पंखे और कूलर बंद होते रहे। चिपचिपी गर्मी और मच्छरों के प्रकोप ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। बिजली गुल रहने पर लोगों को पूरी रात हाथ के पंखे का सहारा लेना पड़ा। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कत झेलनी पड़ी। उपभोक्ता नईमुल्लाह, दिनेश कुमार, कलफनाथ, राकेश कुमार, शोएब अंसारी, सुधीर यादव, अतुल सिंह, अशोक सिंह और चंदन उपाध्याय समेत कई ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लगातार हो रही बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों की रात की नींद पूरी नहीं हो पा रही है और गर्मी से हाल बेहाल है। ग्रामीणों ने विभाग से बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार कर नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। वहीं कर्बला उपकेंद्र क्षेत्र में भी बिजली व्यवस्था चरमराई रही, जिससे उपभोक्ताओं को पूरी रात परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस संबंध में कल्याणपुर बिजली उपकेंद्र के अवर अभियंता अंबिका प्रसाद ने बताया कि ओवरलोडिंग के कारण बिजली कटौती करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि रात में लोगों को परेशानी न हो और सुचारु बिजली आपूर्ति बनी रहे, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

विद्यालय की सेवानिवृत्त वार्डन को दी गयी विदाई

(अम्बेडकरनगर कार्यालय)

अवकाश प्राप्त वार्डन को सम्मानित करती शिक्षिकाएं।

अम्बेडकरनगर। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कटेहरी में बुधवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय की वार्डन रेनू सिंह ने 20 वर्षों की लंबी सेवा पूर्ण कर अवकाश ग्रहण कर लिया।

इस अवसर पर अध्यापिकाओं और छात्राओं ने अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हें विदाई दी। कई बार भावुक होकर रो पड़ने वाली यह विदाई समारोह शिक्षा क्षेत्र में समर्पण और ममता की मिसाल बन गया। समारोह में जिला समन्वयक सत्य प्रकाश मौर्या, किरण सिंह, लालचंद सहित अन्य वार्डनों- भीयांव वार्डन ममता उपाध्याय, भीटी वार्डन अर्चना पांडे, अकबरपुर वार्डन अलका देवी, जहांगीरगंज वार्डन सुधा देवी, टांडा वार्डन पुष्पा जायसवाल, रामनगर वार्डन भारती मौर्य और विद्यालय की अध्यापिकाएं ऋतु सिंह, सुधा तिवारी, उमा पटेल, साक्षी चौधरी, रीता वर्मा, विभा कौशल, कुसुम जहरा, रामा वर्मा सहित छात्राएं और पास आउट बच्चियां मौजूद रहीं।

जिला समन्वयक सत्य प्रकाश मौर्या ने रेनू सिंह के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा, रेनू सिंह के अच्छे कार्यों के लिए विभाग द्वारा उन्हें कई बार प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। ऐसे कर्मचारी शिक्षा के क्षेत्र के लिए वरदान होते हैं। रेनू सिंह के सराहनीय कार्य हेतु विभिन्न मौकों पर कई बार पुरस्कृत किया गया,जिसमें जिलाधिकारी द्वारा बेहतर शिक्षिका और मिशन शक्ति पुरस्कार, सीडीओ द्वारा उत्कृष्ट कार्य पुरस्कार, बीएसए द्वारा उत्तम शिक्षा और प्रतिबद्ध पुरस्कार जैसे तमाम प्रशस्ति पत्र दिए गए हैं।

एएसपी संग एसपी ने पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)।

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जैतपुर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह के निर्देश पर बुधवार को क्षेत्राधिकारी जलालपुर अनूप कुमार सिंह तथा थानाध्यक्ष जैतपुर प्रेमचंद ने पुलिस बल के साथ नेवादा बाजार कस्बे में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान सीओ जलालपुर एवं थानाध्यक्ष ने बाजार, चौराहों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण किया और स्थानीय व्यापारियों व आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जैतपुर पुलिस आपके साथ 24 घंटे खड़ी है। किसी भी प्रकार की समस्या, संदिग्ध गतिविधि अथवा विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष प्रेमचंद ने मौजूद लोगों से हालचाल लेते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस और जनता दोनों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। साथ ही हल्का प्रभारी एवं बीट सिपाहियों को क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने के निर्देश भी दिए गए। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने नेवादा बाजार में संदिग्ध रूप से घूम रहे मोटरसाइकिल सवारों को रोककर पूछताछ की तथा आवश्यक जांच की। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना कारण सड़कों पर घूमते पाए जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय सिंह सहित हमराही पुलिसकर्मी एवं कांस्टेबल मौजूद रहे। पुलिस की सक्रियता से बाजार क्षेत्र में लोगों ने सुरक्षा का एहसास किया तथा पुलिस प्रशासन की पहल की सराहना की।

युवक को बन्धक बनाकर मारापीटा और अब पुलिस उसी पर कर रही कार्रवाई

कर्नलगंज पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, पीड़ित परिवार ने आईजी देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा से न्याय की लगाई गुहार

गोंडा (निप्र)।

कर्नलगंज नगर पालिका में सफाई व्यवस्था की शिकायत करना एक युवक को भारी पड़ता दिख रहा है। नगर पालिका परिसर में युवक को बंधक बनाकर मारपीट व जातिसूचक गालियां देने के आरोप के मामले में अब नया मोड़ आ गया है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि शिकायत से नाराज कुछ लोगों ने युवक को नगर पालिका कार्यालय परिसर में बंधक बनाकर मारपीट की और जातिसूचक गालियां दीं। इतना ही नहीं, मामले में कार्रवाई की मांग करने वाले पीड़ित का ही पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

कर्नलगंज कस्बे के मोहल्ला गांधी नगर निवासी रजनी कनौजिया पत्नी घनश्याम कनौजिया ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 19 मई 26 को उनके पति घनश्याम कनौजिया नगर पालिका परिषद कर्नलगंज में सफाई व्यवस्था की शिकायत करने गए थे। आरोप है कि वहां मौजूद आशीष सिंह, सुरभि पांडेय, अनुज जायसवाल, मोनू गुप्ता, पशुपति सिंह समेत अन्य लोगों ने उनके पति को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और गालियां देते हुए मेन गेट बंद कर उन्हें बंधक बना लिया तथा मारपीट की। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई थी।

प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि पीड़ित होने के बावजूद पुलिस घनश्याम कनौजिया को ही हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई, जिससे पूरा परिवार भयभीत है। स्थानीय कोतवाली कर्नलगंज में सूचना दिए जाने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गोंडा पुलिस की ओर से एक्स (ट्वीटर) पर सार्वजनिक रूप से कहा गया था कि प्रकरण की जांच एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना कर्नलगंज पुलिस को निर्देशित किया गया है। लेकिन पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उच्चाधिकारियों के निर्देशों को दरकिनार करते हुए कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय उल्टे पीड़ित घनश्याम कनौजिया का ही शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि नगर पालिका में अध्यक्ष प्रतिनिधि रामजी लाल के कार्यकाल में इससे पहले भी सरकारी कार्य में बाधा एवं एससीएसटी एक्ट के मामलों का दबाव बनाकर उपयोग किए जाने के प्रयास हुए हैं।

पीड़ित परिवार ने अब आईजी देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी एक्ट समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर नगर क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल गर्म है और लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर शिकायतकर्ता को ही आरोपी की तरह क्यों पेश किया गया। अब देखना होगा कि उच्चाधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष को किया हाउस अरेस्ट

सिन्दुरिया (महराजगंज)।

पंचायत चुनाव टलने की स्थिति में ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाए जाने की मांग को लेकर 20 मई को प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश के ग्राम प्रधानों का लखनऊ में महासम्मेलन होना था। इसके लिए जनपद के प्रधान लखनऊ कूच करने की तैयारी में थे।

इसी बीच प्रधान संघ के मिठौरा ब्लाक अध्यक्ष रघुनाथ पटेल एवं श्यामानन्द को पुलिस ने उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। इससे ग्राम प्रधानों में आक्रोश व्याप्त है। प्रधान संघ के मिठौरा ब्लाक अध्यक्ष ने प्रधानों को हाउस अरेस्ट करने को अलोकतांत्रिक कदम बताया।

जानकारी के अनुसार प्रधान संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ में महासम्मेलन होना था। ऐसे में जनपद के प्रधान उनके नेतृत्व में लखनऊ कूच करने की तैयारी बना रहे थे। लेकिन ग्राम प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष मंसूबों पर उस समय पानी फिर गया जब दर्जनभर पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी उनके आवास पर उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया।

इस सम्बन्ध में प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष ने कहा कि ग्राम प्रधान संगठन सरकार के खिलाफ नहीं है बल्कि ग्रामपंचायतों की लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने की मांग करता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानों के बीच यह आशंका बनी हुई है कि वर्ष 2021 के तरह पुनः एडीओ पंचायत को प्रशासक नियुक्त किया जा सकता है।

उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए प्रतिनिधियों पर विश्वास जताते हुए सरकार को अगले पंचायत चुनाव होने तक वर्तमान प्रधानों के कार्यकाल विस्तार करने या प्रशासक समिति से संबंधित आदेश जल्द जारी करना चाहिए। इससे ग्रामीण विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे और पंचायत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहेगी। प्रधान संगठन ने इस मामले को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा विषय बताते हुए सरकार से सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

डीएम ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें

श्रावस्ती (नि0सं0)।

जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने प्रतिदिन की तरह बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस दौरान जिलाधिकारी को 12 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तत्काल निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर अब अधिकारियों की जवाबदेही तय की जायेगी। इसलिए समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण अपने कार्यालय में समस्त कार्य दिवसों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक स्वयं जनसुनवाई करें एवं उनकी समस्याओं का समय सीमा के अन्दर निस्तारण कराना भी सुनिश्चित करें।

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग

संक्षिप्त विज्ञप्ति

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा–2021, विज्ञापन संख्या–ए–7/ई–1/2021 में औपबन्धिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार निम्न कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होंगे हैं :–

क्र0 सं0	पद का नाम/पदों की संख्या	साक्षात्कार तिथि	अनुक्रमांक: प्रथम सत्र (पूर्वाह्न 09:00 बजे)	अनुक्रमांक: द्वितीय सत्र (अपराह्न 01:00 बजे)
1	व्याख्याता इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड कन्ट्रोल	01 जून, 2026	2600104–2600422	2600435–2600572
2	व्याख्याता इंटीरियर डिज़ाइन डेकोरेशन	01 जून, 2026	2700025–2700080	—
3	व्याख्याता फुटवियर टेक्नोलॉजी	01 जून, 2026	2800008–2800047	—
4	व्याख्याता प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी	01 जून, 2026	1400063–1400130	—
5	व्याख्याता इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल एण्ड कन्ट्रोल्स विशिष्टता के साथ)	01 जून, 2026	—	1500034–1500116

नोट– "प्रश्नगत पद हेतु आपके द्वारा आनलाइन आवेदन के समय किये गये दावे की अर्हता के आधार पर ही आपको साक्षात्कार में औपबन्धिक रूप से आहूत किया गया है। अतः दावे की पुष्टि हेतु समस्त शैक्षिक/आरक्षण सम्बन्धी अभिलेख प्रस्तुत करने तथा जाँचोपरान्त सम्यक् रूप से अर्ह होने पर ही आपको साक्षात्कार में सम्मिलित किया जायेगा। अनर्ह होने की स्थिति में तत्समय ही साक्षात्कार से वंचित कर दिया जायेगा।"

साक्षात्कार कार्यक्रम की विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट https://uppsc.up.nic.in पर उपलब्ध है।

संख्या– 121(I)/01/सी.आर./एस–13/2021–22 गौरव रंजन श्रीवास्तव
दिनांक: प्रयागराज, 20 मई, 2026 (उप सचिव)

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने बड़े पुत्र नबी अहमद व उसकी पत्नी चांदनी तथा उसके नाबालिग पुत्र रजा अहमद के बेजा चाल-चलन व कार्य व्यवहार से तंग व आजिज आ चुका हूं। मैंने पुत्र, पुत्रवधु व पौत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनके किसी भी प्रकार के लेनदेन व आपराधिक क्रिया कलापों से मेरा व मेरे परिवार के किसी अन्य सदस्य का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने सभी प्रकार के कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

प्रार्थी – रसूल अहमद पुत्र नसीम उर्फ मंगरे
निवासी ग्राम 562, महराजगंज दा. जोतचांदपारा
थाना हरदी, जिला बहराइच

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी जलालपुर अम्बेडकरनगर
वाद संख्या–टी20250404021131 1
मौजा शिवपाल धारा 116 उ.प्र.राजस्व संहिता
तारीख पेशी– 28.05.2026
ओमप्रकाश बनाम राम प्रकाश

बनाम– 1.रामप्रकाश 2–प्रेमप्रकाश पुत्रगण रघुवर 3–जयप्रकाश पुत्र राम मूल 4–दीप नारायन 5–अनुभव पुत्रगण राजमनि 6–विजय प्रकाश पुत्र राम सुमेर 7–ग्राम पंचायत शिवपाल द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत शिवपाल परगना सुरहुरपुर तहसील जलालपुर जिला अम्बेडकरनगर

हरगाह वादी ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है, लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 05 सन् 2026 ई. बावत 10 बजे दिन में असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफकिया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके, हाजिर हों और जवाबदेही का दावा करें और आपको लाजिम है कि उसको रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तकबाल करना चाहते हो।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर और हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर मसमुअ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 0 माह 0 के सन् 2026 ई. को जारी किया गया।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने का सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर
वाद संख्या – टी 20260468090 1985
अन्तर्गत धारा– 116 उ.प्र.रा.सं. 2006
ता 0 पेशी – 22–05–2026
जफी उल्ला बनाम हिदायत उल्ला आदि

बनाम – 1 – हिदायत उल्ला पुत्र नबी उल्ला 2 – हिमायत उल्ला पुत्र नबी उल्ला निवासी ग्राम उसी मजरे हेमनापुर पो0 इसौली तह0 बल्दीराय सुल्तानपुर (3)ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम प्रधान हेमनापुर परगना इसौली तहसील बल्दीराय जिला सुल्तानपुर (4) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय जिला सुल्तानपुर

चूंकि उपरोक्त वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है अतएवं आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए वर्ष 2026 के माह 05 के 22 दिवस को 10 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप संजात हो और ऐसा न करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा सहित आज के दिवस को निकाली गई।

द.ह. मु. अ.

इश्तिहार

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (प्र0ख0) महोदय बहराइच
जय प्रकाश आदि बनाम लाल जायदाद मृतक जगदीश
मुकदमा नम्बर 75/70/2025
पेशी–26. 05.2026

जय प्रकाश पुत्र जगदीश निवासी बनपुरवा पर इकौना तह. पयागपुर जनपद बहराइच–वादी

बनाम

1. लाल जायदाद मृतक जगदीश पुत्र दाताराम 2. आनन्द प्रकाश पुत्र जगदीश 3. ओम प्रकाश पुत्र जगदीश निवासीगण बनपुरवा पर. इकौना तह. पयागपुर जनपद बहराइच– प्रतिवादीगण

उक्त अदालत में जय प्रकाश जगदीश निवासी बनपुरवा परगना इकौना तहसील पयागपुर जनपद– बहराइच की मृतक की जायदाद प्राप्त करने हेतु सक्सेशन प्रार्थना पत्र दिया है, जिसमें सुनवाई हेतु पेशी दिनांक– 26.05.2026 नियत की गयी है।

अगर किसी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के विरोध में आपत्ति हो तो दिनांक 26–05–2026 तक अदालत में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दाखिल करें। चूंकि ऐसा न करने पर उक्त प्रार्थना पत्र की सुनवाई एक पक्षीय रूप में की जायेगी।

आज दिनांक– 0 महीना 0 सन् 2026 ई. अदालत की मुद्रा लगाकर मेरे हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने का सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान जिलाधिकारी महोदय सुल्तानपुर
वाद सं0– टी0150468000475312025
धारा–128 उ.प्र.राजस्व संहिता
ग्राम फुटेला परगना चांदा तहसील लम्भुआ जिला सुल्तानपुर
तारीख पेशी– 05.06.2026
प्रमोद सिंह बनाम फन्दू आदि

बनाम– 1. फन्दू पुत्र मल्लू निवासी ग्राम फुटेला परगना चांदा तहसील लम्भुआ जिला सुल्तानपुर 2–ग्राम पंचायत फुटेला द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत फुटेला परगना चांदा तहसील लम्भुआ जिला सुल्तानपुर 3–उ.प्र.सरकार द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी महोदय सुल्तानपुर

चूंकि अनिलामांकित प्रार्थी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 05.06.2026 के दिवस को 10 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यकरूपेण अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा न करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा सहित आज 05.06.2026 के के दिवस को निकाली गयी।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू. डि. टाण्डा अम्बेडकरनगर
मूलवाद संख्या– 63/2025
तारीख पेशी– 28.07.2026
सदानन्द बनाम सदा शिव वर्मा आदि

बनाम– 1. सदा शिव वर्मा पुत्र स्व0 झगरू वर्मा 2. संगीता देवी पत्नी श्री सदा शिव वर्मा निवासीगण चौजा रामडीह सराय पोस्ट गढ़ा परगना बिड़हर तहसील टाण्डा जिला अम्बेडकरनगर

हरगाह वादी ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है, लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 07 सन् 2026 ई. बावत 10 बजे दिन में असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफकिया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सकें, हाजिर हों और जवाबदेही का दावा करें और आपको लाजिम है कि उसको रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तकबाल करना चाहते हो।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर और हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर मसमुअ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 20 माह 05 के सन् 2026 ई. को जारी किया गया।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

प्रपत्र संख्या– 3

न्यायालय श्रीमान अपर पारिवारिक न्यायाधीश महोदय जिला अयोध्या
याचिका संख्या– 15/2024
अन्तर्गत धारा–13 हिन्दू विवाह अधिनियम
तारीख पेशी– 26.05.2026
माधुरी बनाम विकास

माधुरी पत्नी विकास पुत्री सुरेश कुमार निवासी देवनगर कालोनी झूंसी, इलाहाबाद/प्रयागराज उ.प्र. हाल मुकाम रोहिनी कालोनी साहबगंज जिला अयोध्या–याची

बनाम

विकास पुत्र निवासी देवनगर कालोनी झूंसी इलाहाबाद/प्रयागराज उ.प्र. –प्रत्यर्थी

चूंकि अपरिनामित याची ने आपके विरुद्ध जैसा याचिका में दिया गया है एक याचिका संस्थित की है (याचिका संलग्न करें)

आपसे इस सम्मन के आपको तामील होने के दिनांक 26.05.2026 से तीन सप्ताह के भीतर इस न्यायालय में स्वयं हाजिर होने या न्यायालय की अनुमति से वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है।

और चूंकि वाद को निदेश के लिए 26 दिवस 05 माह सन् 2026 को न्यायाधीश के बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

आपको एतद्द्वारा याची के दावे का उत्तर देने के लिए उक्त 26 दिवस 05 माह सन् 2026 को न्यायाधीश के समक्ष पूर्वाह्न 11 बजे उपस्थित होने के लिए सम्मन किया गया है, और सूचना दी जाती है कि पूर्व उल्लिखित दिनांक का पक्षों को, जो उपस्थित हो, सुनने के पश्चात न्यायाधीश द्वारा कुटुम्ब न्यायालय के परामर्शदाता के समक्ष सुनवाई के दिनांक के समक्ष में और याचिका से संबंधित अन्य मामलों में निदेश दिये जायेंगे, और अग्रतर सूचना दी जाती है कि यदि पूर्व उल्लिखित दिवस को न्यायाधीश के समक्ष स्वयं हाजिर होने या ऊपर यथा अपेक्षित वकालतनामा दाखिल करने या आप उपस्थित होने में असफल रहते हैं तो याचिका को उसी दिन या किसी अनुवर्ती दिवस को 'अप्रतिवादित' के रूप में बोर्ड के समक्ष रखा जायेगा और आपके विरुद्ध पारित किसी डिक्री या आदेश के लिए आप उत्तरदायी होंगे।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने का सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू.डि.) टाण्डा अम्बेडकरनगर
मू.प्र. वाद सं0– 04/2025
तारीख पेशी– 18.07.2026
जगदम्बा प्रसाद आदि बनाम गतिराम आदि

बनाम– 1. गतिराम पुत्र स्व0 जियावन 2. रवीन्द्र कुमार पुत्र गतिराम निवासीगण ग्राम इब्राहिमपुर पेमा नसीरपुर परगना बिड़हर तहसील टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

चूंकि उपरिनामांकित प्रार्थी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 18.07.2026 के दिवस को 10 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यकरूपेण अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा न करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा सहित आज 20.05.2026 के के दिवस को निकाली गयी।

द.ह. मु. अ.

ARMY PUBLIC SCHOOL

32 Punjab Lines, Ayodhya Cantt (UP)-224001
Phone No 05278-224944

NOTICE INVITING QUOTATIONS

1. Quotations from the auth vendors/firms/agencies are invited for the following works :-
   - 1.1 Purchase of Smart Boards (Pre Primary Wing) qty 06.
   - 1.2 Putting up Electric Fence to avoid Monkey Menace (Pre Primary Wing).
   - 1.3 Installation of EPABX System & Handset.
   - 1.4 Installation of CCTV Cameras.
   - 1.5 Coloring of Classrooms & Labs.
   - 1.6 Rep & Maint of Wooden/Aluminum Partition & Windows etc.
2. Interested and eligible agencies specialized in the work may download the Quotation & Specifications etc from school website www.apsayodhya.edu.in.
3. Quotation for each work can be dropped in the Tender Box by 31 May 2026.

Presiding Officer

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं छाया गुप्ता निवासी आयु लगभग 51 वर्ष पत्नी श्री चन्द्र गुप्ता निवासी 6/11/77 हैदरगंज जिला अयोध्या सशपथ बयान करती हूं कि शपथी ने अपने जीवन पर भारतीय जीवन बीमा निगम से पालिसी संख्या 218971243 ली है, जिसका मैच्युरिटी भुगतान होना है। उक्त पालिसी में शपथिनी का नाम दीप माला गुप्ता पत्नी श्री चन्द्रा गुप्ता (Deep Mala Gupta w/o Sri Chandra Gupta) अंकित है, जो शपथी के शादी के पहले का नाम है। शादी के बाद शपथी का नाम बदल गया है। इसी बदले नाम से आधारकार्ड संख्या -XXXX XXXX 5398 एवं समस्त प्रमाणपत्रों में नाम छाया गुप्ता पत्नी श्रीचन्द्र गुप्ता (Chaaya Gupta w/o Sri Chandra Gupta) है। उपरोक्त पालिसी में शपथी का नाम दीप माला गुप्ता पत्नी श्री चन्द्रा गुप्ता (Deep Mala Gupta w/o Sri Chandra Gupta) के स्थान पर छाया गुप्ता पत्नी श्री चन्द्र गुप्ता (Chaaya Gupta w/o Sri Chandra Gupta) संशोधित कर भुगतान किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

शपथी:–छाया गुप्ता पत्नी श्री चन्द्र गुप्ता, पता–उपरोक्त

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अनन्तराम सोनी आयु लगभग 82 वर्ष पुत्र स्व.बच्चूलाल निवासी 6/2/124 मुगलपुरा हैदरगंज जिला अयोध्या सशपथ बयान करता हूं कि शपथी के पुत्र स्व.देवनारायण हेमकार ने अपने जीवन पर भारतीय जीवन बीमा निगम से पालिसी संख्या 275096685 ली है, जिसमें शपथी के पुत्र की मृत्यु हो चुकी है। शपथी का पौत्र आर्यन सोनी बतौर नामिनी दर्ज है, जो अभी नाबालिग है। शपथी आर्यन का बाबा संरक्षक है। उक्त पालिसी में शपथी/नामिनी में शपथी के पौत्र का नाम देवांश पुत्र देवनारायण हेमकार (Devansh s/o Dev Narayan Hemkar) अंकित है। परन्तु शपथी के पौत्र के आधारकार्ड संख्या-XXXX XXXX 8171 एवं समस्त प्रमाणपत्रों में नाम आर्यन सोनी पुत्र देवनारायण सोनी (Aryan Soni s/o Dev Narayan Soni) लिखा है। यह कि शपथी के पुत्र के पालिसी संख्या 275096685 में शपथी/नामिनी में शपथी के पौत्र का नाम देवांश पुत्र देवनारायण हेमकार (Devansh s/o Dev Narayan Hemkar) के स्थान पर आर्यन सोनी पुत्र देव नारायण सोनी (Aryan Soni s/o Dev Narayan Soni) लिख कर मृत्यु दावा का भुगतान शपथी के पक्ष में किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

शपथी:–अनन्तराम सोनी पुत्र स्व.बच्चूलाल, पता–उपरोक्त

अदालती नोटिस

प्रपत्र संख्या– 3

न्यायालय श्रीमान प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश महोदय जिला अयोध्या
याचिका संख्या–08/2026
अन्तर्गत धारा–13 हिन्दू विवाह अधिनियम
तारीख पेशी– 22.05.2026
भरत कुमार बनाम आंचल

भरत कुमार उम्र 30 वर्ष पुत्र श्रीराम बहादुर निवासी ग्राम गोसाईं का पुरवा अहरन सुबंश थाना इनायतनगर तहसील मिल्कीपुर जनपद–अयोध्या–याची

बनाम

आंचल उम्र 29 वर्ष पुत्री स्व. भागवत पत्नी भरत कुमार निवासी ग्राम गोसाईं का पुरवा अहरन सुबंश थाना इनायतनगर तहसील मिल्कीपुर जनपद अयोध्या वर्तमान पता–ग्राम बीरहवा पृथ्वीपाल मिश्र का पुरवा थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर –प्रत्यर्थी

चूंकि अपरिनामित याची ने आपके विरुद्ध जैसा याचिका में दिया गया है एक याचिका संस्थित की है (याचिका संलग्न करें)

आपसे इस सम्मन के आपको तामील होने के दिनांक 22.05.2026 से तीन सप्ताह के भीतर इस न्यायालय में स्वयं हाजिर होने या न्यायालय की अनुमति से वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है।

और चूंकि वाद को निदेश के लिए 22 दिवस 05 माह सन् 2026 को न्यायाधीश के बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

आपको एतद्द्वारा याची के दावे का उत्तर देने के लिए उक्त 26 दिवस 05 माह सन् 2026 को न्यायाधीश के समक्ष पूर्वाह्न 11 बजे उपस्थित होने के लिए सम्मन किया गया है, और सूचना दी जाती है कि पूर्व उल्लिखित दिनांक का पक्षों को, जो उपस्थित हो, सुनने के पश्चात न्यायाधीश द्वारा कुटुम्ब न्यायालय के परामर्शदाता के समक्ष सुनवाई के दिनांक के समक्ष में और याचिका से संबंधित अन्य मामलों में निदेश दिये जायेंगे, और अग्रतर सूचना दी जाती है कि यदि पूर्व उल्लिखित दिवस को न्यायाधीश के समक्ष स्वयं हाजिर होने या ऊपर यथा अपेक्षित वकालतनामा दाखिल करने या आप उपस्थित होने में असफल रहते हैं तो याचिका को उसी दिन या किसी अनुवर्ती दिवस को 'अप्रतिवादित' के रूप में बोर्ड के समक्ष रखा जायेगा और आपके विरुद्ध पारित किसी डिक्री या आदेश के लिए आप उत्तरदायी होंगे।

द.ह. मु. अ.

अदालती नोटिस

सम्मन दफा 193

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय भीटी अंबेडकर नगर
वाद सं. टी 20260404050139 1
नवइयत मुकदमा अंतर्गत धारा 116 उ.प्र.राजस्व संहिता 2006
ग्राम धरमगंज पर. मिझौड़ा तहसील भीटी जनपद अंबेडकर नगर
पेशी 22–05–2026
राजेंद्र प्रसाद बनाम अमरजीत आदि

बनाम 1– अमरजीत 2– शिवपूजन पुत्रगण सुद्धसेन 3– राम पियारावन पुत्र राम शब्द 4– नरेंद्र कुमार गोस्वामी 5– रविन्द्र कुमार गोस्वामी 6– अरुण कुमार गोस्वामी पुत्रगण राम शंकर 7– इन्द्रावती देवी पत्नी राम शंकर 8– जितेन्द्र 9– सतेन्द्र कुमार पुत्रगण हनुमान प्रसाद 10– प्रेमा देवी पत्नी हनुमान प्रसाद 11– लालजी पुत्र राम शब्द 12–राम मिलन 13– गोमती प्रसाद 14– श्री राम पुत्रगण राम अजोर समस्त निवासीगण ग्राम धरमगंज पर. मिझौड़ा तह. भीटी जिला अंबेडकरनगर 15– सुभद्रा देवी पत्नी भवानी फेर निवासी ग्राम तौरहा पर. पश्चिम राठ तह. बीकापुर जिला अयोध्या 16– मायावती पत्नी राजाराम 17– रामचंद्र गिरि पुत्र राज किशोर 18– अशोक कुमार पुत्र जुगुल किशोर 19– राजेश गोस्वामी पुत्र राधेश्याम 20– कृष्ण कुमार पुत्र महादेव 21– बीरेंद्र कुमार 22– अरविंद गिरि पुत्रगण ओंकार नाथ 23– ओम हरी पुत्र महादेव 24– कलावती पत्नी सोमनाथ 25–दीप नरायन 26– लालता प्रसाद 27– विजय गिरि 28– राकेश गिरि 29– संजय गिरि पुत्रगण शोभनाथ 30– अनिल कुमार 31– सुनील कुमार पुत्रगण शिवनाथ 32– शारदा पत्नी शिवनाथ 33– अंकित 34– अमित कुमार 35– अरुण कुमार पुत्रगण दयानाथ 36– मायावती पत्नी दयानाथ 37– राजनाथ 38– पवन कुमार 39– शिवकुमार पुत्रगण नंदलाल 40– राम आसरे पुत्र राम अंजोर 41– सियाराम 42– आलोक पुत्रगण उदयभान 43– ज्ञानमती पत्नी उदयभान 44– ग्राम पंचायत धरमगंज द्वारा प्रधान समस्त निवासीगण धरमगंज पर मिझौड़ा तह. भीटी जिला अंबेडकर नगर

हरगाह आपको इत्तला दी जाती है कि बरबक्त इस अदालत के असालतन या बजरिये मुख्तार मजाज तारीख 22.05.2026 ई. बवक्त 10 बमुकाम अदालत हाजिर होवें।

द.ह. मु. अ.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं लवकुश कुमार यादव आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र अभयराज यादव निवासी गोविन्दपुर पुनहद खानपुर रसूलाबाद जिला अयोध्या सशपथ बयान करता हूं कि शपथी की पुत्री का नाम देविका यादव है और उसकी जन्मतिथि 05-11-2018 है जो सही व सत्य है। शपथी की पुत्री का नाम देविका यादव जन्मतिथि 05-11-2018 सही व सत्य माना जाना न्यायसंगत व सत्य है।

शपथी–लवकुश कुमार यादव
पुत्र अभयराज यादव
पता–उपरोक्त

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बदरूज्जमा खान पुत्र मोहम्मद जमा खान निवासी भदरसा कस्बा मोहल्ला कटरा वर्तमान मकान नं. 31 वार्ड संख्या 10 नगर पंचायत भरतकुण्ड भदरसा थाना पूराकलन्दर तहसील सोहावल जिला अयोध्या सशपथ बयान करता हूं कि प्रार्थी के चार लड़के क्रमशः समसुज्जमा खान, सैफुज्जमा खान मसीहुज्जमा खान व मो.आसिफ तथा एक पुत्री हुमा अन्जुम है। प्रार्थी के लड़के समसुज्जमा खान व सैफुज्जमा खान की गलत हरकतों के कारण शपथी अपने उक्त दोनों पुत्रों को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल करता है। उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य की जवाबदेही शपथी की नहीं होगी। यदि उनसे कोई व्यक्ति किसी प्रकार की लिखा-पढ़ी, रजिस्ट्री या लेन-देन करता है तो उसे शून्य माना जाय। मैं व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शपथी–बदरूज्जमा खान पुत्र मो.जमा खान, पता–उपरोक्त

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अख्तर अली पुत्र मंजूर अली पुरानी बाजार वार्ड नं. 6 परगना तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर सशपथ बयान करता हूं कि मेरे पुत्र अकरम शाह का चाल-चलन व व्यवहार ठीक नहीं है। उसका सम्बन्ध अराजक तत्वों के साथ है। इसलिए मैं उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। उसके किसी भी कार्य की जिम्मेदारी व पाबन्दी मेरी नहीं होगी।

शपथी:–अख्तर अली पुत्र मंजूर अली
पता–उपरोक्त

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथी नवीन आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र बुझारत निवासी ग्राम कस्बा पोस्ट दिलासीगंज थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या सशपथ बयान करता हूं कि शपथी अपने पुत्र इमरान पुत्र नवीन की बेजा हरकतों की वजह से उसे अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है अब उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। अगर कोई गैर कानूनी कार्य करता है तो उसका जिम्मेदार स्वयं इमरान होगा।

शपथी:–नवीन पुत्र बुझारत
पता–उपरोक्त

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथी मंसूर वयस्क पुत्र घसीटे निवासी ग्राम बैरी महेशपुर परगना हिसामपुर तहसील व थाना कैसरगंज जिला बहराइच सशपथ बयान करता हूं कि शपथी के दो पुत्र क्रमशः जमालुद्दीन व कमालुद्दीन हैं। शपथी ने दोनों पुत्रों का विवाह कर दिया है। शपथी के बड़े लड़के जमालुद्दीन व उसकी पत्नी का क्रियाकलाप व चाल-चलन ठीक नहीं है, जिससे परेशान होकर शपथी अपने बड़े पुत्र व उसकी पत्नी को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। आज से वह उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। वह अपने किये का खुद जिम्मेदार होगा।

शपथी:–मंसूर पुत्र घसीटे, पता–उपरोक्त

कल्पना शिक्षण-प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

सराय मनोहर, हैदरगंज, अयोध्या, 224205
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 2F एवं 12B में पंजीकृत
सम्बद्ध-डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

आवश्यकता है

1. प्रवक्ता स्नातक कम्प्यूटर संकाय (बी.सी.ए.) 1. प्रवक्ता 06 पद, 2 कम्प्यूटर प्रशिक्षक 02 पद। 2. प्रवक्ता स्नातक कला वर्ग- 1. अंग्रेजी, 2 संस्कृत, 3. हिन्दी 4. समाजशास्त्र प्रत्येक के दो-दो पद। 3. प्रवक्ता स्नातक विज्ञान वर्ग- 1. जन्तु विज्ञान के दो पद। 4. प्रवक्ता परास्नातक कला वर्ग- 1. भूगोल 2. समाजशास्त्र 3. अंग्रेजी प्रत्येक के दो-दो पद। 5. प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा- 1. विभागाध्यक्ष- एक पद, 2. प्रवक्ता- चार पद। योग्यता एवं शर्तें- उ0प्र0 शासन/यू.जी.सी./विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकानुसार इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपने जीवनवृत्त के साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां एवं दो पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ प्रेषित करें।

प्रबन्धक
कल्पना शिक्षा-प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सराय मनोहर, हैदरगंज-अयोध्या
सम्पर्क हेतु-मो. 6393105903, 9838477292

बाबू लक्ष्मण प्रसाद एजूकेशनल इंस्टीट्यूट

आदीपुर, पहाड़पुर, टड़वा, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर।
सम्बद्ध-डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

आवश्यकता है

स्नातक स्तर पर कला संकाय (बी0ए0) के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र, अंग्रेजी, एवं शिक्षाशास्त्र में सहायक आचार्य की आवश्यकता है। प्रत्येक विषय में दो-दो पद। योग्यता एवं वेतनमान- विश्वविद्यालय एवं उ0प्र0 शासन की परिनियमावली के अनुसार होगा। नोट- इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र समस्त अभिलेख अंकपत्र व प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज दो फोटो के साथ विज्ञापन के 15 दिन के अन्दर उक्त पते पर डाक द्वारा या महाविद्यालय के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

प्रबन्धक–अजीत यादव, 9648444918

यशोदा देवी रामपति महिला महाविद्यालय शिवनगर, सरौली, मिल्कीपुर, अयोध्या

सम्बद्ध-डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत बी.लिब. पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता-स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत बि.लिब. पाठ्यक्रम में 4 पद, योग्यता-सम्बन्धित विषयों नेट/पीएच-डी., वेतनमान-यू.जी.सी. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार, इच्छुक अभ्यर्थी 07 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों को दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एवं दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ महाविद्यालय के उपरोक्त पते पर आवेदन करें।

प्रबंधक
हरिश्चन्द्र शुक्ला

हरिश्चन्द्र महाविद्यालय सरौली, मिल्कीपुर, अयोध्या

सम्बद्ध-डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत परास्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत एम.लिब. पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता-परास्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत एम.लिब. पाठ्यक्रम में 4 पद, योग्यता-सम्बन्धित विषयों नेट/पीएच-डी., वेतनमान-यू.जी.सी. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार, इच्छुक अभ्यर्थी 07 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों को दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एवं दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ महाविद्यालय के उपरोक्त पते पर आवेदन करें।

प्रबंधक
हरिश्चन्द्र शुक्ला

बेटी के सरेआम कत्ल में पिता को उम्र कैद

आनर किलिंग की वारदात में महज 18 महीने में आया निर्णय

बहराइच।

आनर किलिंग में बेटी के कत्ल के मामले दोषी पिता को अपर सत्र न्यायालय प्रथम शैली रॉय ने उम्र कैद की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपये का अर्थदंड से भी दंडित किया।

मोतीपुर थाने के ग्राम हंसपुर रायबोझा के मजरा निबिया में 2 सितम्बर 24 की सुबह करीब 10 बजे नईम पुत्र शहादत उर्फ कल्लन ने अपनी 18 वर्षीय पुत्री खुशबू की सरेआम गला काटकर हत्या कर दी थी। युवती की मां जाबनतिशा ने मोतीपुर थाने में पति के विरूद्ध हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। दिन दहाड़े हुई हत्या की सनसनीखेज वारदात की जांच कर विवेचक ने आरोप पत्र न्यायालय पर दाखिल किया। न्यायाधीश ने विचारण व परीक्षण तथा उभय पक्षो के तर्कों को सुनने के उपरांत हत्यारे पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 25 हजार का अर्थदंड भी अधिरोपित किया। हत्या की इस घटना में महज 18 माह की सुनवाई के बाद जज ने निर्णय सुनाया है। आनर किलिंग की इस वारदात के पीछे पुत्री का एक युवक से प्रेम प्रसंग बताया जाता है। पिता ने ग्रामीणों की भीड़ के समक्ष वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी थी।

सनकी चाचा ने मासूम भतीजी को उतारा मौत के घाट

» शव को कपड़े में लपेटकर कमरे में लकड़ी के नीचे छिपाया

बहराइच। सुजौली थाने के ग्रामीण की हरिजन बस्ती में सनकी चाचा ने दो वर्ष की मासूम भतीजी को गला दबाकर मार डाला और शव को कमरे में लकड़ी के नीचे छिपा दिया। प्राप्त सूचना के अनुसार बुधवार की शाम नोखेलाल की दो वर्ष की पुत्री पूर्वी अपने घर से गायब हो गयी थी। घर के सभी सदस्य काम करने गये हुये थे। इस बीच नोखेलाल के भाई सुरेंद्र ने मासूम की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को कमरे में लकड़ी के नीचे छिपा दिया। जब बालिका की मां रीता व दादी सुशीला घर वापस आईं तो बालिका को गायब देखकर खोजबीन शुरू की। मासूम का शव कमरे में कपड़े में लिपटा लकड़ी के नीचे मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी चाचा सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में चले लात घूंसे व कुर्सियां

बौंडी के साईनपुरवा में निकाह के लिये आयी थी बारात

बहराइच।

बौंडी थाने के साइन पुरवा गांव में मंगलवार शाम आई बारात के दौरान डीजे पर नाच हो रहा था। इसी दौरान वधू पक्ष के कुछ युवक भी डीजे में नाचने लगे। कहासुनी पर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाया। सम्भ्रांत लोगों के समझाने पर निकाह की रस्म पूरी कर विदाई हुई।

समाचार के अनुसार थाना बौंडी के साईनपुरवा में मंगलवार शाम बारात आई थी। डीजे की धुन पर बाराती नाच रहे थे। खुशी का माहौल था। इसी दौरान वधू पक्ष के भी कुछ युवक इनमें घुसकर नाचने लगे। बेहटाभ्या के तीन चार युवको की इनसे कहासुनी इतनी बढ़ गई कि जमकर मारपीट हो गई। जमकर लात घूंसे, कुर्सियां चली। अफरातफरी मच गई। खुशी का माहौल मातम में बदल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने संभ्रांत लोगों की मदद से दोनों पक्षों को समझाया। तब जाकर निकाह की रस्म अदायगी व विदाई आदि सम्पन्न हो सकी।

सड़क हादसे में बुआ की मौत, भतीजा गंभीर

बहराइच। गोंडा-बहराइच हाइवे के नेवलापुर मोड़ के पास तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को दोपहर करीब 3 बजे बहराइच की ओर से आ रही डीसीएम ने गोंडा की तरफसे आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक अरविंद कुमार (19 वर्ष) पुत्र केदार नाथ, निवासी कठर, तथा उनकी बुआ राजकुमारी पत्नी चंद्रभान, निवासी केशवपुर पहाड़वा, जनपद गोंडा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संदीप कुमार दुबे मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अपनी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विशेश्वरगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. सारंग श्रीवास्तव ने जांच के बाद राजकुमारी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अरविंद की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा डीसीएम को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती बनी आफत

भंगहा बाजार के उपभोक्ताओं में बढ़ा आक्रोश

श्रावस्ती (नि.सं.)।

जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच विद्युत व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। विद्युत उपकेंद्र भंगहा बाजार क्षेत्र में हो रही लगातार बिजली कटौती से आमजन बेहाल है। दिनभर की उमस और तेज धूप के बाद रात में भी बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है। बिजली संकट को लेकर क्षेत्रीय उपभोक्ताओं में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी साफ दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में बिजली लोगों की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है, लेकिन विभाग द्वारा की जा रही अनियमित कटौती से लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ताओं के अनुसार कई बार रात में घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उमस भरी रातों में बिजली न रहने से लोग पूरी रात जागने को मजबूर हो जाते हैं। भंगहा बाजार निवासी उपभोक्ताओं ने बताया कि यदि विभाग को रोस्टिंग करनी ही है तो उसे एक निश्चित समय पर करना चाहिए, लेकिन यहां दिन के समय किसी भी समय बिजली काट दी जाती है। ... बिजली कटने से हालात बेहद खराब हो जाते हैं। इनवर्टर भी अधिक कटौती के चलते जवाब देने लगे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो रही है। क्षेत्रीय व्यापारियों ने भी बिजली कटौती को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि लगातार बिजली बाधित रहने से दुकानों और छोटे व्यापार पर असर पड़ रहा है। कई दुकानदारों को गर्मी के कारण ग्राहकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली चली जाने से लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। छात्रों की पढ़ाई पर भी इसका असर पड़ रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार किया जाए और अनावश्यक कटौती पर रोक लगाई जाए। लोगों ने कहा कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं का आक्रोश और बढ़ सकता है।

अवैध असलहा कारखाने का भण्डाफोड़

श्रावस्ती (नि.सं.)।

पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण के संबंध में प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में थाना कोतवाली भिनगा पुलिस, एसओजी व सर्विलांस सेल द्वारा बुधवार को रात्रि में गश्त के दौरान भिनगा जंगल में मुखबिर की सूचना पर मुठभेड़ के दौरान अवैध रूप से संचालित असलहा फैक्ट्री का भण्डाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में अवैध असलहा बरामद किया गया।

19/20 की रात्रि में प्रभारी निरीक्षक राजप्रकाश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा रात्रि में भ्रमणशील होने के दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि भिनगा जंगल में तालाब के पास बने टीले पर चार पांच लोग अवैध तमंचा बनाने की फैक्ट्री चला रहे है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस की दो टीम बनाकर भिनगा जंगल तालाब के पास पहुंचकर टीले के उत्तर झाड़ी में छुपकर ... देखा गया तो टीले पर चार व्यक्ति मौजूद है ... कर रहे है तथा निर्माण कार्य की आवाज आ रही है, जैसे ही पुलिस टीम नजदीक पहुंची तो पुलिस टीम को देखकर बदमाश चिल्लाने लगे कि मारो पुलिस वाले है तब उनके ललकारने पर ... प्रभारी निरीक्षक की टीम पर जान से मारने की नियत से ... अपने सरकारी पिस्टल से एक राउण्ड फायर किया जो गोली किसी को नहीं लगी तब प्रभारी निरीक्षक द्वारा आत्मरक्षार्थ अपने सरकारी पिस्टल से एक राउण्ड फायर किया। गोली एक बदमाश के कमर के नीचे लगी जिसे पकड़ा गया, तथा दूसरा भागने के दौरान गिरने से घायल हो गया जिसे हमराहियान द्वारा पकड़ा गया शेष 02 को भागने के दौरान दूसरी टीम द्वारा पकड़ लिया गया। जिस बदमाश को गोली लगी थी उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम साबिर अली उर्फ डंडे पुत्र बसारत सा. लौकीपुरवा म. पत्तिहिया थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती बताया शेष पकड़े गए अभियुक्तों से नाम पता पूछा गया तो घायल ने अपना नाम बाबर पुत्र रुस्तम सा. लौकीपुरवा म. पत्तिहिया थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती तथा 02 अन्य ने कासिम पुत्र अब्दुल हफीज सा. लक्ष्मनपुर इटवरिया थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती व छत्र बहादुर शाही पुत्र सबल बहादुर सा. करमा भूमिगांव जिला वर्दिया राष्ट्र नेपाल बताया जिनकी जामा तलाशी अवैध पिस्टल व तमंचे एवं तमंचे बनाने के उपकरण आदि बरामद किए गए।

पन्द्रह करोड़ की जमीन को लेकर मचा बवाल

साध्वी ममता शास्त्री का आरोप- उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। अयोध्या कोतवाली अन्तर्गत धर्मपथ स्थित वासुदेवघाट क्षेत्र में पन्द्रह करोड़ की जमीन को लेकर बवाल मचा है। 27 बिस्वा जमीन मामले साध्वी ममता शास्त्री पर हमले की कोशिश की गई। आरोप है कि साधु के वेश में 25-30 हमलावर उनके आश्रम में पहुंचे। लाठी-डंडे और फरसे से उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की।

साध्वी ने कहा कि विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज की गई। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। उन्हें जान का खतरा है। उनका रोते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार वासुदेवघाट क्षेत्र में करीब 27 बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपए बताई जा रही है। महंत सरयू दास इस जमीन पर अपना स्वामित्व बताते हैं। करीब 28 साल बाद जेल से बाहर आये हैं। साध्वी ममता शास्त्री खुद को उनकी शिष्या बताती हैं। ममता शास्त्री का आरोप है कि महंत के बाहर जाने के दौरान कुछ साधु वेशधारी लोग विवादित जमीन पर पहुंचे और खुद को जमीन का मालिक बताने लगे। साध्वी ममता शास्त्री के विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोग हथियारों से लैस थे और उन्हें धमकाते हुए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने पहले अयोध्या कोतवाली पुलिस को सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर कॉल किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। मामले में सीओ आशुतोष तिवारी ने दोनों पक्षों को अपने-अपने दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाया है। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद की जांच के लिए राजस्व विभाग की मदद ली जा रही है। यदि साध्वी ममता शास्त्री लिखित शिकायत देती हैं, तो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली।

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली 18 साल पुराने आईपीएल के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ अपने जुड़ाव से 230 करोड़ रुपये कमाए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने फनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजी का कुल मूल्यांकन 1.63 लाख करोड़ रुपये है। शाहरुख खान की मालिकाना हक वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) 19200 करोड़ के साथ सबसे ज्यादा कीमती फ्रेंचाइजी है। इसके बाद अंबानी के मालिकाना हक वाली मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) है जिसका मूल्यांकन 18400 करोड़ है। दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल टीम का औसत मूल्यांकन वर्तमान 1.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2032 तक 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह रिपोर्ट फ्रेंचाइजी के बीच सौदेबाजी में बढ़ती रुचि के बीच आई है।

पृष्ठ एक के शेष

ईरान के खिलाफ...

कड़ा बयान दिया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के माध्यम से सामने आए यूएस नेटवर्क पूल के एक वीडियो में ट्रंप ने कहा कि जलमार्ग को खुला रखना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन वे इसके लिए कोई जल्दबाजी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी रणनीति पूरी तरह तैयार है, वे एक सीमित समझौते के जरिए इस जलमार्ग को तुरंत खुलवाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए वे किसी भी तरह की हड़बड़ाहट में नहीं हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सीनेट ने एक युद्ध अधिकार प्रस्ताव को प्रक्रियात्मक मंजूरी दे दी है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यदि यह प्रस्ताव पारित होता है तो ईरान के खिलाफ तैनात अमेरिकी सशस्त्र बलों को वापस बुलाना अनिवार्य हो सकता है।रिपब्लिकन पार्टी के बिल कैसिडी, रैंड पॉल, सूजन कॉलिन्स और लीजा मर्कोव्स्की सहित चार सीनेटरों ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ मिलकर प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।इस प्रस्ताव को 50-47 मतों से आगे बढ़ाया गया। डेमोक्रेट सीनेटर जॉन फेटरमैन ने रिपब्लिकन सदस्यों के साथ मिलकर इसका विरोध किया।यह संघर्ष शुरू होने के बाद इस तरह के प्रस्ताव पर सीनेट में आठवां मतदान था। इस वर्ष दूसरी बार कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने डेमोक्रेट सदस्यों के साथ मिलकर युद्ध अधिकार प्रस्ताव को सीनेट न्यायपालिका समिति से बाहर लाने का समर्थन किया है।इस बीच, श्री ट्रंप ने खुलासा किया कि वह ईरान पर नये हमले का आदेश देने से सिर्फ एक घंटे दूर'थे, लेकिन सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के के अनुरोध पर उन्होंने इसे स्थगित कर दिया। दूसरी ओर, उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहा कि ईरान की वार्ता संबंधी स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है।

ईरान के खिलाफ ...

24 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन और एक एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन शामिल हैं।यह रिपोर्ट पहला सरकारी समर्थन प्राप्त आकलन है। इसमें इस संघर्ष के दौरान हुए विमानों के नुकसान का पूरा आंकड़ा सामने रखा गया है।यह पेंटागन से मिली जानकारी और मीडिया रिपोर्टों के मिश्रण पर आधारित है और इसमें उल्लेख किया गया है कि अधिक डेटा उपलब्ध होने पर अंतिम संख्या में बदलाव हो सकता है। अमेरिकी सांसदों ने आगाह किया है कि वास्तविक वित्तीय नुकसान काफी अधिक हो सकता है। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि यह अब भी 'अस्पष्ट' है कि पेंटागन ने युद्ध में हुए सभी नुकसानों का पूरा हिसाब रखा है या नहीं।रिपोर्ट में चेतावनी दी गयी है कि नष्ट हुए विमानों को बदलने की दीर्घकालिक लागत 7 अरब डॉलर (लगभग 58,000 करोड़ रुपये) से अधिक हो सकती है, क्योंकि नष्ट हो चुके कुछ सिस्टम अब सक्रिय उत्पादन में नहीं हैं और उनके लिए उत्पादन लाइनों को फिर से शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-3 सेंट्री के नुकसान के कारण पेंटागन को पहले रद्द किए जा चुके ई-7 वेजटेल प्रतिस्थापन कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिसकी अनुमानित लागत 2.5 अरब डॉलर (लगभग 20,800 करोड़ रुपये) से अधिक है।इसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल मच गयी और अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ने लगीं। इसने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। संघर्ष की शुरुआत के बाद से जिनकी लोकप्रियता काफी तेजी से गिरी है।

जनमोर्चा
संस्थापक सम्पादक:
स्व. हरगोविन्द
स्व. शीतला सिंह
प्रकाशन सहकारी समिति लि. की ओर से रवीन्द्र प्रताप सिंह द्वारा सहकारी प्रेस, जनमोर्चा भवन गद्दोपुर, अयोध्या से प्रकाशित एवं मुद्रित।
* सम्पादक: डॉ. सुमन गुप्ता
स्थानीय सम्पादक: रामकुमार सिंह
मो.-9451644977
फोन: 05278- 222888,
* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
ईमेल
janmorcha40@yahoo.com,
janmorchadaily@gmail.com

अमेरिका के साथ ...

रूस अमेरिका संग सहयोग करने को तैयार है तो सवाल उठता है कि क्या रूस-यूक्रेन युद्ध के रुकने की दिशा में काम तो नहीं हो रहा है? चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को द्विपक्षीय संबंधों और ईरान, यूक्रेन युद्ध तथा व्यापार सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर व्यापक वार्ता की। इससे पहले 14-15 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग की यात्रा पर आए थे और उन्होंने भी शी जिनपिंग के साथ ईरान और यूक्रेन युद्ध से लेकर द्विपक्षीय व्यापारिक तनाव और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर व्यापक चर्चा की थी। 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल' में वार्ता से पहले, शी जिनपिंग ने पुतिन का औपचारिक स्वागत किया। औपचारिक स्वागत के बाद द्विपक्षीय वार्ता हुई। मंगलवार रात यहां पहुंचे पुतिन का स्वागत चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने किया।

मोदी, शाह...

लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि 'संविधान कोई मामूली किताब नहीं है, यह देश की विचारधारा है, जिसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।' अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि वह किसी से डरने वाले नहीं है और अपने बयान पर माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में खाद, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, दाल और चावल जैसी जरूरी वस्तुओं के दाम और बढ़ सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं पर पड़ेगा।देश की आर्थिक बुनियाद के साथ खिलवाड़ किया गया है, जिसका असर आम जनता को भुगतना पड़ेगा।सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पेट्रोल और गैस की कोई कमी नहीं है, इसके बावजूद कीमतें लगातार बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि देश से पेट्रोल बाहर भेजा जा रहा है और उससे होने वाले लाभ का इस्तेमाल राजनीतिक फंडिंग में किया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि यदि आर्थिक हालात और बिगड़ते है तो सरकार जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करेगी, लेकिन इसके लिए केंद्र की नीतियां जिम्मेदार होंगी।

देश संकट में...

की'मेलोडी'चॉकलेट गिफ्ट में दी। मेलोनी ने इस पल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसे लेकर भारतीय राजनीति में भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि रोम पहुंचने के बाद उन्होंने सुश्री मेलोनी के साथ रात्रिभोज किया और ऐतिहासिक कोलोसियम का दौरा किया।

अफवाह फैलाने ...

को फर्जी जानकारी, दुष्प्रचार और अफवाह फैलाने वाले चैनलों की पहचान कर उन्हें ब्लॉक और हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को शिक्षा मंत्रालय, एनटीए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर तेजी से कार्रवाई करनी होगी।उन्होंने कहा कि छात्रों को भ्रामक सूचनाओं से बचाना और परीक्षा प्रणाली में जनता का भरोसा बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम और सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया गया।बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और एनटीए के महानिदेशक ने भी हिस्सा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संभावित कमजोरियों की पहचान और समय रहते निवारक एवं सुधारात्मक कदम उठाने पर चर्चा की।इसके समानांतर शिक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स मेटा , गूगल और टेलीग्राम के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी भ्रामक सूचनाओं, खासकर टेलीग्राम चैनलों और गुमनाम ऑनलाइन समूहों के जरिए फैलाए जा रहे फर्जी पेपर लीक दावों पर गंभीर चिंता जताई गई।इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि बड़ी परीक्षाओं से पहले कई संदिग्ध चैनल अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं और फर्जी जानकारी तथा अपुष्ट दावों के जरिए छात्रों और अभिभावकों में डर और भ्रम पैदा करते हैं। कई लिंक यूजर्स को ऑटोमेटेड बॉट्स और फर्जी समूहों तक पहुंचाते हैं, जिनका उद्देश्य गलत सूचनाओं को तेजी से फैलाना होता है।

यूपी बनेगा...

जाए। इसकी शुरुआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र से की जा सकती है जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने टाटा समूह समेत बड़ी टेक कंपनियों से संवाद कर लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। 'प्रोजेक्ट गंगा' यानी गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुने गए डिजिटल उद्यमियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण करने वाली कंपनियां भी इन युवाओं का उपयोग कर सकें, ऐसी व्यवस्था बनाई जाए। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के तेजी से विस्तार और पारदर्शिता पर जोर देते हुए उन्होंने डिजिटल उद्यमियों को शुरुआत से ही इंसेंटिव देने को कहा। प्रोजेक्ट गंगा के तहत 10 हजार से अधिक युवाओं को डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर बनाया जाएगा, जिससे 50 हजार प्रत्यक्ष और 1 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। 20 लाख से अधिक घरों को फाइबर आधारित हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा। योजना में 50% महिला उद्यमियों को जोड़ने का लक्ष्य है। यह प्रोजेक्ट फिलहाल 21 जिलों में पायलट के तौर पर शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने गेहूं के इन-हाउस प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी टैक्स और मंडी शुल्क व्यवस्था में सुधार पर बल दिया।

इटली और भारत...

कहा कि दोनों देश आतंकवाद की कड़ी निंदा करते है और इसे मानवता के लिए गंभीर चुनौती मानते है।प्रधानमंत्री ने कहा ,' पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का अवसर मिला है। यह भारत और इटली के बीच घनिष्ठ सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्म-विश्वास मिला है। मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हुए विशेष रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने की घोषणा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भारत और इटली मिलकर उत्पादों का डिजाइन तथा विकास करेंगे और इन्हें दुनिया को उपलब्ध करायेंगे। श्री मोदी ने कहा ,' इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस की है। इसलिए हम भारत और इटली में डिजाइन और विकास करेंगे और दुनिया के लिए वितरित करने के सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।' रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में मिलकर काम करने की सहमति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा ,' हमारे रक्षा औद्योगिक रोडमैप से सह-विकास और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग स्वाभाविक है।

'मेलोडी' पर शुरू ...

गये श्री मोदी ने इसे हल्का-फुल्का रंग देते हुए उन्हें पारले कंपनी की मेलोडी टॉफी उपहार में दी है जिसका वीडियो इटली की प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वैसे, खास बात यह है कि इस वीडियो के साथ उन्होंने मेलोडी हैशटैग नहीं लगाया है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां इसे 'नौटंकी' करार दिया है, वहीं केंद्रीय मंत्रियों ने इसे टॉफी की कूटनीति और 'मेड इन इंडिया' को प्रोत्साहन देने वाला कदम बताया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आर्थिक तूफान सिर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं! किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं - पीएम हंसकर रील बना रहे हैं, और भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।कांग्रेस नेता को जवाब देते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा कि भारत आज 'मेड इन इंडिया' और 'लोकल गोज ग्लोबल' के माध्यम से दुनिया का भरोसेमंद निवेश गंतव्य बना हुआ है, लेकिन कांग्रेस को हर भारतीय उपलब्धि में समस्या ही दिखाई देती है। उन्होंने सवाल किया, राहुल गांधी को भारत और भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है?संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सुश्री मेलोनी के वीडियो को साझा करते हुए इसे 'भारत की मिठास और कूटनीति की गरमाहट!! शीर्षक दिया है। उन्होंने लिखा, प्रतिष्ठित मेलोडी टॉफी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को सोच-समझकर उपहार में देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पहल ने इसे दोस्ती और मुस्कानों के यादगार पल में बदल दिया। उन्होंने वीडियो पर टॉफी डिप्लोमेसी (टॉफी की कूटनीति) भी लिखा है।

यूपी पिछड़ा आयोग ...

सिंह के अलावा रिटायर्ड दो एडीजे और दो आईएएस अफसर भी सदस्य रखे गए हैं। रिटायर्ड अपर जिला जज में बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, जबकि रिटायर्ड आईएएस अफसर में अरविंद कुमार चौरसिया और एसपी सिंह शामिल हैं। सरकार ने आयोग को छह महीने का कार्यकाल दिया है, जिसकी सिफारिश के आधार पर राज्य में पंचायत चुनावों का रास्ता खुलेगा। बता दें कि 18 मई को हुई योगी कैबिनेट की बैठक में पंचायत चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर जरूरी ओबीसी आयोग के गठन को मंजूरी दी गई थी। इसके साथ ही पंचायत चुनाव के रास्ते की सबसे बड़ी बाधा और कानूनी अड़चन दूर हो गई।

समूचे प्रदेश में ...

विभाग ने विशेष रूप से बुंदेलखंड, कानपुर मंडल, आगरा मंडल तथा पूर्वांचल के कई जिलों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है।पहले दिन यानी 20 मई को बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर देहात, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर समेत कई जिलों में भीषण लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं मिर्जापुर, संत रविदास नगर, कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस और मैनपुरी भी गंभीर गर्मी की चपेट में रह सकते हैं। 21 मई को भी स्थिति में विशेष सुधार के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, वाराणसी, कानपुर नगर, आगरा, मथुरा, झांसी और ललितपुर सहित अनेक जिलों में भीषण लू की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही गाजीपुर, आजमगढ़, बलिया, सहारनपुर, मेरठ और बुलंदशहर समेत कई जिलों में सामान्य लू चलने की संभावना जताई गई है। 22 मई को भी बुंदेलखंड और पूर्वांचल के जिलों में भीषण गर्मी बनी रहने का अनुमान है। बांदा, प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, कानपुर नगर, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, झांसी और महोबा समेत कई जिलों में भीषण लू चल सकती है, जबकि देवरिया, अयोध्या, अंबेडकरनगर, मेरठ, गाजियाबाद और अलीगढ़ जैसे क्षेत्रों में लू का प्रभाव बना रहेगा।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि भीषण गर्मी के कारण सभी आयु वर्ग के लोगों में हीट रैश, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से मजदूरों, किसानों, खनन श्रमिकों तथा लंबे समय तक धूप में काम करने वाले लोगों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पशुधन तथा खड़ी फसलों पर भी गर्मी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। आईएमडी ने लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लेने तथा ओआरएस, लस्सी, नींबू पानी और छाछ जैसे पेय पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी है।

संवैधानिक आरक्षण...

23.14 अनुसूचित जाति में 4.8 प्रतिशत आरक्षण कम दिया गया है। जिसकी वजह से अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के चक्कर लगाते रहे हैं। प्रदेश सरकार में हुई विभिन्न भर्तियों का डाटा देते हुए उन्होंने कहा कि आरक्षण कोई दान नहीं अधिकार है। जिसे संविधान ने संरक्षित किया है फिर भी सरकार उचित प्रतिनिधित्व जो संविधान की गारंटी है वह भी नहीं दे रही है। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से वार्ता करते हुए पीडीए ऑडिट-एक दस्तावेज जारी किया। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट को और अधिक डेटा और तथ्यों के साथ अपडेट किया जाता उन्होंने कहा कि अगर छात्रों और अभ्यर्थियों को संवैधानिक प्रावधानों को लागू कराने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, तो समझा जाना चाहिए कि सरकार पक्षपाती है। उन्होंने कहा, -अगर हमें संवैधानिक अधिकारों के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, तो इसका अभिप्राय है कि सरकार पक्षपाती है। अखिलेश यादव ने आरक्षण को सामाजिक न्याय और समानता का जरिया बताया। उन्होंने कहा, -आरक्षण सुरक्षा है। आरक्षण सामाजिक समन्वय का एक उपकरण और माध्यम भी है। सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आरक्षण आवश्यक है।

छत से लटका मिला नवविवाहिता का शव

पाँच लाख-कार न मिलने पर मारने का आरोप, तीन महीने पहले हुई थी शादी

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। रुदौली के रतनपुर गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका पिंकी शर्मा (22) की शादी तीन महीने पहले हुई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस मामले में मृतका के पिता माता बख्श (58) ने बताया कि उन्होंने तीन महीने पहले पिंकी की शादी रतनपुर निवासी अंकित शर्मा (25) के साथ की थी। आरोप है कि शादी के तुरंत बाद से ही पति अंकित, सास शिव लली, ससुर चंद्रकेश, जेठ रोशन लाल, जेठानी निशा व ननद पूजा मिलकर बेटी को प्रताड़ित करने लगे। वे दहेज में चार पहिया वाहन और 5 लाख रुपये नकद मांग रहे थे। मांग पूरी न होने पर पिंकी को शारीरिक और मानसिक तौर पर टॉर्चर किया जाता था। उसने अपनी मां रमिता देवी को फोन पर बताया था कि ससुराल वाले उसे जीने नहीं देंगे। उत्पीड़न से तंग आकर वह अपने मायके आ गई थी और दोबारा ससुराल नहीं जाना चाहती थी।

बताया कि कुछ दिनों बाद पिंकी के जेठ रोशन लाल शर्मा ने मायके आकर आश्वासन दिया कि अब सब ठीक हो जाएगा और वे पिंकी को अच्छे से रखेंगे। जेठ के भरोसे पर आकर बेटी को विदा कर दिया। ससुराल पहुंचने के कुछ ही दिनों बाद उसकी मौत की खबर आ गई। घटना की जानकारी पर पिंकी का बड़ा भाई शुभम शर्मा मौके पर पहुंचा। भाई के अनुसार जिस कमरे में पिंकी की लाश मिली, उसकी छत की ऊंचाई महज 6 फीट थी। इतने कम ऊंचे कमरे में कोई भी व्यक्ति फंदा लगाकर आत्महत्या नहीं कर सकता। भाई ने आरोप है कि ससुराल वालों ने पहले पिंकी की हत्या की और फिर आत्महत्या का रूप देने की हुई है। बाबा बाजार थाने के प्रभारी शैलेंद्र कुमार आजाद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत

» पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

मिल्कीपुर(अयोध्या)नि.सं.। इनायतनगर थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो जाने से पूरे गांव में शोक का माहौल है। युवती की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटवा गांव निवासी मुस्कान की 18/19 मई की रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर बुधवार सुबह इनायतनगर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

इस संबंध में थाना प्रभारी इनायतनगर रतन कुमार शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। युवती की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

नगर निगम चलायेगा 'हर परिवार करे गंदगी पर प्रहार' अभियान

31 को स्वच्छता महाअभियान, आज होगी जन-जागरूकता पदयात्रा

» सर्वाधिक नागरिक सहभागिता के पांच वार्डों को मिलेगा दस-दस लाख

कार्यालय प्रतिनिधि

पोस्टर बैनर का लोकार्पण करते महापौर

अयोध्या। नगर निगम 'हर परिवार करे गंदगी पर प्रहार' अभियान शुरू करेगा। आगामी 31 मई रविवार को सुबह 7 बजे शहरवासियों से सफाई अभियान में शामिल होने की अपील की जायेगी। अभियान का मकसद स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता तथा सूखा और गीला कचरा अलग करने को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा।

महापौर ने बुधवार को आयुक्त सभागार में मीडिया से कहा कि रामनगरी को स्वच्छता के पैमाने पर देश के शीर्ष दस शहरों में शामिल कराने के लक्ष्य को लेकर आगामी 31 मई को विशाल स्वच्छता महाअभियान चलेगा। इसके तहत हर परिवार अपने घर के आसपास एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई में भागीदारी करेगा। इसके लिए सभी पार्षद एवं नगर निगम की टीम लोगों से सम्पर्क करेगी। उन्होंने 'एक रविवार, हर परिवार, करे गंदगी पर प्रहार' एवं 'सिर्फ 30 मिनट अपनी अयोध्या के नाम' अभियान के पोस्टर और बैनर का लोकार्पण भी किया।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के निर्देशन में नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुरुवार 21 मई से व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू होगा। इसके तहत सुबह 7 बजे पदयात्रा निकाली जाएगी और शाम को प्रबुद्ध वर्ग के साथ बैठक होगी। उन्होंने कहा कि इसमें सामाजिक संगठन, व्यापारी, छात्र-युवा, कर्मी वर्ग हर जागरूक नागरिक का सहयोग लिया जाएगा। नगर के सभी 60 वार्डों में 29 मई तक भ्रमण कर लोगों से 31 मई रविवार को सुबह 7:00 बजे से 7:30 बजे तक अपने घरों एवं आसपास के सार्वजनिक स्थलों की सफाई का आह्वान किया जाएगा। इसके अलावा 25 मई को अयोध्या में लता चौक से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य द्वार तक संतों एवं संभ्रांत नागरिकों की विशाल रैली निकाली जाएगी। 29 की शाम को छात्र-युवा, व्यापारी, कर्मचारी एवं सामाजिक संगठनों की रैली गांधी पार्क से चौक तक निकलेगी।

महापौर ने बताया कि स्वच्छता अभियान में सर्वाधिक भागीदारी करने वाले पांच वार्डों को आधारभूत संरचना विकास हेतु 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा द्वितीय श्रेणी के पांच वार्डों को जल-सुविधा कार्यों का विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। साथ ही प्रत्येक वार्ड से स्वच्छता के बेहतर मानकों पर खरे उतरने वाले एक परिवार को सम्मानित भी किया जाएगा।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि शहर भर में लगाये जाने वाले स्टीकरों पर क्यूआर कोड की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसे स्कैन कर नागरिक इस महाअभियान में अपनी भागीदारी के लिए पंजीकरण कर सकेंगे। नगर निगम के पीआरओ मुकेश पांडेय ने बताया कि इससे पूर्व महापौर ने जागरूकता वाहन को रवाना किया। इस मौके पर सेंटर ऑफ इनवायरमेंट एजुकेशन की टीम ने स्वच्छता संबंधी नाट्य प्रस्तुति दी। महापौर ने टीम के सदस्यों को सम्मानित किया। टीम के सदस्यों ने महापौर को पेंटिंग भेंट की। इस अवसर पर उपसभापति संतोष सिंह, सभी अधिकारी, राम का घर के प्रबंधक आलोक सिंह राना, इंद्रजीत सिंह बेदी आदि मौजूद रहे।

सार संक्षेप

उग्रसेन मिश्र की वार्ता का आकाशवाणी से प्रसारण कल

अयोध्या। प्रदेश कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य उग्रसेन मिश्र की आचार्य नरेन्द्र देव की जीवनी पर आधारित वार्ता का प्रसारण आकाशवाणी अयोध्या से 22 मई शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे होगा।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

मिल्कीपुर(अयोध्या)नि.सं.। थाना इनायतनगर की चौकी शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत ढेमा शिवबक्श सराय गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 32 वर्षीय युवक का शव आम के पेड़ से फंदे के सहारे लटकता मिला।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी रामपाल सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान उन्होंने अपने पुत्र पिंटू कोरी का शव गांव के बाहर एक आम के पेड़ में साल के सहारे लटकता देखा। बेटे का शव देखते ही पिता की चीख निकल गई और वह रोने-बिलखने लगे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

घटना की सूचना तत्काल चौकी प्रभारी शाहगंज को दी गई। सूचना पाकर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बाद में इसकी जानकारी थाना इनायतनगर पुलिस को भी दी गई।

थाना प्रभारी इनायतनगर रतन कुमार शर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

ई-फार्मेसी के विरोध में उतरे केमिस्ट, सीएम के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या।(प्रमुख संवाददाता)।

अयोध्या। अयोध्या जिले में ऑनलाइन दवा बिक्री और अवैध ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को फैजाबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले नगर में बाइक रैली निकाल कर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया।

संगठन ने आरोप लगाया कि बिना लाइसेंस और नियमों के उल्लंघन के साथ संचालित ई-फार्मेसी आम जनता के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनती जा रही है। दवा की दुकानें बंद होने से आम लोगों और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एसोसिएशन के बैनर तले बड़ी संख्या में दवा व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। संगठन अध्यक्ष अवि आनंद ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भारी छूट देकर दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे मेडिकल स्टोर कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि बिना डॉक्टर की सलाह और बिना उचित जांच के दवाएं उपलब्ध कराए जाने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। ज्ञापन में मांग की गई कि अवैध रूप से संचालित ई-फार्मेसी पर तत्काल रोक लगाई जाए और ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। व्यापारियों ने कहा कि सरकार को दवा कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्थानीय लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोरों के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

महामंत्री आनन्द अग्रहरि ने बताया कि गम्भीर मरीजों के लिए शहर की दस दुकानों को खुलवाया गया था और फोन आने पर ऐसे मरीजों के घर तक दवाएं पहुंचाई गयी। जिससे गम्भीर मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। जिसके लिए जिला अस्पताल, महिला अस्पताल व श्रीराम चिकित्सालय के सामने पदाधिकारियों ने पूर्वाह्न ग्यारह बजे से अपराह्न दो बजे तक पदाधिकारी की ड्यूटी लगायी गयी थी।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि देश भर के केमिस्ट संगठनों के आह्वान पर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

मीडिया प्रभारी शरद सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी बंदी को अयोध्या में जो ऐतिहासिक और अतिशीघ्र सफलता मिली है वह सभी दवा विक्रेताओं की एकजुटता का परिणाम है 12.5लाख केमिस्ट के हक की लड़ाई अब तब तक थमेगी नहीं जब तक सरकार हमारी मांगे मान नहीं लेती उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विकट समस्या का जल्द से जल्द और स्थाई समाधान सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि छोटे व्यापारी के हितों के रक्षा हो सके।

इस मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी और दवा व्यापारी मौजूद रहे। आंदोलन में कोषाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव, राकेश सोनी, अमित, दिवाकर, वीरेंद्र जायसवाल, राजेंद्र यादव, कृष्ण गोपाल कसौधन, शादाब खान, राकेश, सहदेव, गोपीनाथ गुप्ता, विजय यादव तथा मीडिया प्रभारी शरद सिंह, उत्तर प्रदेश व्यापार उद्योग मंडल अयोध्या के अध्यक्ष अश्वनी तिवारी (लालू), प्रेमनाथ राय, कविंद्र साहनी मौजूद रहे।

हमारे गोसाईगंज संवाददाता के अनुसार नगर में ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री के विरोध में बुधवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की तीन दर्जन से अधिक मेडिकल दुकानों पर ताले लटके रहे। यह बंदी ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर की गई। थोक और फुटकर दवा कारोबार पूरी तरह प्रभावित रहा, जिससे मरीजों और आम लोगों को दवाएं लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सुबह से ही नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की मेडिकल दुकानें बंद रहीं। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पर्चा लेकर पहुंचे मरीज दवाओं के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रामजी सोनी एवं महामंत्री त्रिलोकीनाथ मोदनवाल ने बताया कि ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री पर रोक लगाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नकली दवाओं के बढ़ते खतरे से देश को बचाने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। साथ ही कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दिए जा रहे अनुचित डिस्काउंट का भी विरोध जताते हुए इसे तत्काल बंद करने की मांग की गई।

प्रदर्शन और बंदी में अमित कुमार, शेखर वर्मा, दिनेश सिंह, रामनाथ कसौधन, देशराज चौधरी, राजेश कुमार, अनिरुद्ध कुमार, प्रशांत कुमार दिव्यनाथ सिंह, उद्धव अग्रिहार, महिप गुप्ता, देवेंद्र जायसवाल, रमेश कसौधन, मोनू कसौधन समेत तमाम दवा विक्रेता मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर बन्द रहने से मरीज हुए परेशान

अयोध्या।(प्रस)। जिले में बुधवार को दवाओं की दुकानों के बन्दी के कारण आम जनता व प्राइवेट अस्पतालों के बाह्य मरीजों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। तीमारदारों व मरीजों को दवाओं की खोज में दर दर भटकना पड़ा। जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र मिलाकर करीब 2900 दवा की दुकानें बन्द रहीं जहां पर एक दिन में लगभग 10 से 12 करोड़ रूपये का कारोबार होता था। जिसमें केवल शहर में लगभग 663 दवा की दुकाने है जिन्हें बन्द किया गया था। जहां पर एक दिन में 4 से 5करोड़ का व्यवसाय होता था। इससे अन्दाजा लगा सकते हैं कितने जरूरत मन्द लोगों को दिक्कत हुई होगी। काफी मरीजों की दवा खत्म होने पर गैप हो गया होगा। शहरी व देहात मिलाकर लगभग 123 से ऊपर नर्सिंग होम पंजीकृत हैं।

सीएचसी सोहावल में प्रसव बाद महिला की मौत

सीएमओ ने बनाई तीन सदस्यीय जाँच कमेटी, रिपोर्ट मिलने के बाद होगी कार्रवाई

कार्यालय प्रतिनिधि

अयोध्या। सीएचसी सोहावल में प्रसव के बाद एक महिला की मौत के मामले की जांच के लिए सीएमओ ने तीन सदस्यीय जाँच कमेटी गठित की है। यह कमेटी तीन दिन में अपनी जाँच रिपोर्ट सौंपेगी। इसी आधार पर दोषियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

खंडासा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी अमित कुमार ने बताया कि उन्होंने 14 मई की शाम अपनी पत्नी मुस्कान (22) को सीएचसी सोहावल में भर्ती कराया था। 15 मई की सुबह स्टाफ नर्स गीता शर्मा ने सामान्य प्रसव कराया। प्रसव बाद पत्नी को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। इससे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। स्थिति गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही मुस्कान की मौत हो गई।

मृतका के पिता अमन कुमार निवासी नेवादा, रौनाही थाना क्षेत्र ने आरोप लगाया कि सीएचसी पर मौजूद स्टाफ नर्स ने उनकी बेटी की हालत सामान्य बताकर उन्हें गुमराह किया। परिजनों ने इस मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में सीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने बताया कि प्रकरण में जांच के आदेश दिये गये हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ. पीके गुप्ता, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पीसी भारती और महिला चिकित्साधिकारी डॉ. दीप्ति सिंह को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जाँच कमेटी तीन दिनों मामले की जांच करेगी। इसमें मरीज की भर्ती से लेकर रेफर करने और इलाज की प्रक्रिया, स्टाफ की संभावित लापरवाही और चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के पालन की समीक्षा होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह में साउंड बजाने को लेकर हुए खूनी संघर्ष में छः घायल

हैदरगंज के कोरो राघवपुर में शादी बाद प्रीतिभोज के दौरान हुई थी कहासुनी

हैदरगंज(अयोध्या)निसं।

शादी समारोह में साउंड बजाने की बात को लेकर दो पक्षों में शुरू हुई तू तू मैं मैं देखते-देखते खूनी संघर्ष में बदल गयी। इस दौरान हुई मारपीट में छः से ज्यादा लोग घायल हो गये। हैदरगंज पुलिस घायलों को सीएचसी रमवाकला ले गयी। वहां से गंभीररूप से घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया गया।

थाना हैदरगंज क्षेत्र के कोरो राघवपुर निवासी मनोज पुत्र अशोक की शादी के बाद मंगलवार की शाम प्रीत भोज के दौरान बज रहे साउंड को धीमा बजाने की बात को लेकर विपक्षीगणों से तो तू मैं मैं हुई थी। उस दिन किसी तरह मामला टल गया, परंतु दूसरे दिन बुधवार को शिवमोहन, बृजमोहन, राम निहोर, राम तीरथ उलाहना देने दूसरे पक्ष के द्वार पर पहुंच गये। इसे लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी और विवाद मारपीट में बदल गया।

दोनों तरफ से लाठी डंडों और ईंट गुम्मों से मार शुरू हो गयी।

मारपीट में विपक्षियों के साथ दूसरे पक्ष के रंजीत, मनोज ,प्रवेश कुमार, मुकेश कुमार,

प्रभावती,सीमा,शिखा,आरती, आशीष, शिवम, अर्जुन आदि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। इस बारे में थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि दो पक्षों में हुई मारपीट में कई लोग घायल हैं। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज का आवश्यक कार्य की जाएगी।

धान की प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत घटाने में मिलेगी मदद: सूर्य प्रताप

प्रमुख सचिव कृषि ने कहा: अलनीनो के प्रभाव से कम वर्षा होने की संभावना

» प्रशासन कर रहा छुट्टा जानवरों के बधियाकरण पर विचार

(जनमोर्चा प्रतिनिधि)

अयोध्या। जिले के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को हुई खरीफ उत्पादकता गोष्ठी में प्रदेश के कृषि मंत्री द्वारा किसानों से धान की प्राकृतिक खेती करने की अपील की गयी।

अयोध्या एवं देवीपाटन मण्डल की संयुक्त खरीफ उत्पादकता गोष्ठी में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसान भाई प्रदेश में दलहन, तिलहन का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि धान की प्राकृतिक खेती करने से उत्पादन लागत घटाने में मदद मिलेगी।

प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने कहा कि किसानों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करायें। उन्होंने नीलगाय की समस्या पर भी चर्चा की। इसके साथ अल नीनो के कारण कम वर्षा होने की संभावनाओं को देखते हुए कम पानी वाली फसलों को उगाने का आवाहन किया। उन्होंने उर्वरकों के उचित प्रयोग पर भी जोर दिया तथा टैगिंग रोकने के भी निर्देश भी दिए। उर्वरक वितरण में अनियमितता पाए जाने पर दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी।

दोनों मंडलों से आए हुए सभी मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा अपने जनपद से संबंधित बिंदु यथा उर्वरकों का कम प्रयोग, वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन व प्रयोग हेतु अनुदान उपलब्ध कराने, सोलर पम्प पर अनुदान, मखाना की खेती के लिए स्पॉन उत्पादन आदि संबंधी समस्त बिंदुओं को सभा में उठाया गया। गोष्ठी में तय हुआ कि जानवरों के रिकॉर्ड पशुधन पोर्टल पर भी डाले जाएंगे और अनिवार्य रूप से जानवरों की टैगिंग कराई जाएगी।

गोष्ठी में किसानों द्वारा छुट्टा जानवरों द्वारा किए जाने वाले नुकसान के संबंध में अवगत कराया गया। इस पर कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी द्वारा कहा गया कि सभी किसानों को सोलर फेंसिंग बाड़ दिया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। इसलिए छुट्टा जानवरों के बधियाकरण पर विचार किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रतिष्ठित किसानों, यंत्र पर अनुदान पाने वाले कृषकों को चेक, अन्य सुविधाओं को प्राप्त करने वाले कृषकों को अनुदान संबंधी चेक देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर किसानों द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी को भी देखा गया। गोष्ठी में दोनों मण्डलों के लगभग 650 किसानों ने भाग लिया।

गोष्ठी में अयोध्या के मण्डलायुक्त राजेश कुमार ने बताया कि तय किये गये लक्ष्यों के शत- प्रतिशत पूर्ति हेतु प्रयास किया जा रहा है। देवीपाटन मण्डल की मण्डलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि लक्ष्यों की पूर्ति हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है।

बीएसएनएल के सेवानिवृत कर्मियों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन करते सेवानिवृत कर्मी।

अयोध्या।

बीएसएनएल सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी संघों के सदस्यों ने सदस्य महाप्रबंधक दूरसंचार अयोध्या के कार्यालय के बाहर बुधवार को 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक संयुक्त रूप से अपनी मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया है।

भारत संचार निगम लिमिटेड के सेवानिवृत्त और सेवारत कर्मचारियों की मांगों को दर किनार कर केन्द्र सरकार उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है उनको 3 आरडी व पीआरसी के नियमों व आदेशों को अभी तक लागू नहीं किया गया। पूर्व शासनादेश के निर्देशों को अभी तक लागू नहीं किया है। इस समय की मुख्य मांगे निम्नलिखित है।

1 जनवरी 2026 से देय महगाई भत्ते की किस्त को तुरंत लागू करना। यदि केंद्र सरकार हमारी उपरोक्त मांगों को नहीं लागू करती तो एसोसिएशन के निर्देशानुसार इस धरना प्रदर्शन को आगे भी बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर संगठन के जिला अध्यक्ष आर पी सिंह ,जिला सचिव एस एस शुक्ला,व वी पी मंडल रामनाथ सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

रेलवे स्टेशन पर रेलयात्रियों को नहीं मिल रहा ठंडा पानी

अयोध्या (का.प्र.)। अयोध्या कैंट व अयोध्या धाम रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने पहुँचे यात्रियों को ठंडा पानी नहीं मिल रहा है। ऐसे में बोतल बंद ठंडा पानी खरीद कर यात्री प्यास बुझा और हलक तर कर रहे हैं। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक था। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर लगे वाटर कूलर ठंडे के बजाय गरम पानी दे रहे थे। यहाँ बताया गया कि वाटर कूलर कुछ तकनीकी खामियों से ठंडा पानी नहीं दे रहा है। स्टेशन पर पहले लगे वाटर एटीएम तो गायब ही हो गये हैं। ऐसे में लोग बोतल बंद ठंडा पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं।

कांग्रेस ने बढ़ाये बसपा की ओर हाथ, बसपा ने बैरंग लौटाया

विशेष संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के अचानक बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय पहुंचकर मायावती से मिलने का प्रयत्न धराशायी हो गया जब इन नेताओं को बसपा ने अपने गेट से बैरंग वापस भेज दिया और कार्यालय के गेट नहीं खुले।

इस घटनाक्रम को लेकर राजधानी में हलचल मच गयी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है और न ही पार्टी से अनुमति लेकर यह लोग बसपा कार्यालय गए थे। वहीं अचानक कांग्रेस नेताओं की पार्टी कार्यालय पर आगमन की खबरों से बसपा ने भी पल्ला झाड़ लिया कि सुश्री मायावती ने मिलने का कोई समय नहीं दिया है। जिसकी वजह से इन नेताओं को खिसियाते हुए बैरंग वापस लौटना पड़ा।

बसपा कार्यालय में बसपा सुप्रीमो मायावती से मिलने के लिए कांग्रेस सांसद एवं कांग्रेस अनुसूचित विभाग के प्रदेश अध्यक्ष तनुज पूनिया और अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम समेत कई अन्य कांग्रेसी भी शामिल थे। कांग्रेसी नेताओं का मायावती से मिलनेका प्रयास ऐसे समय हुआ जब राहुल गांधी अपने दो दिवसीय दौरे पर अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली में हैं। ऐसे में यह माना जा रहा है कि सम्भवतः यह नेता राहुल गांधी का कोई सन्देश लेकर बसपा में गए थे।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं सियासी गलियारों में तरह-तरह की हलचल तेज हो गई है। गेट से बैरंग लौटाये जाने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए लिखा कि वे एक सामाजिक कार्यक्रम के सिलसिले में लखनऊ आए थे और शिष्टाचार के नाते बहनजी का कुशलक्षेम जानने उनके आवास गए थे।

उन्होंने मायावती की तारीफ करते हुए यह भी कहा कि बहन जी के शासनकाल में उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता और निर्णायक नेतृत्व को सभी वर्गों ने सराहा एवं स्वीकार किया है। समय न मिलने के कारण उन्होंने दोबारा समय का अनुरोध किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही मुलाकात होगी।

राहुल की यूपी में मौजूदगी के दौरान कांग्रेस नेताओं का बसपा सुप्रीमो के घर पहुंचना कई चर्चाओं को जन्म दे रहा है। इस मुलाकात की कोशिश को आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की नई कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय का कहना है कि कांग्रेस नेताओं का मायावती के आवास पर जाना उनका अपना व्यक्तिगत निर्णय था। पार्टी का इससे कोई सरोकार नहीं है। इसी प्रकार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी नेताओं का व्यक्तिगत मामला बताया।